बुधवार, 12 फरवरी 2025

मौसम

तापमान	32 – 22
आर्द्रता	64%
सूर्योदय: 6:11	सूर्यास्त: 17:32

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, माघ शुक्लपक्ष पूर्णिमा, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : संसार में सब कुछ संभव है अगर शुरुआत आत्मविश्वास से हो।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा: सीतारमण -पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

भरोसा बढ़ाने के लिए एआई पर एक वैश्विक ढांचा बनाने की जरूरत: मोदी

पेरिस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को खुले स्रोत पर आधारित कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए एक वैश्विक ढांचा स्थापित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का पुरजोर समर्थन किया, जो भरोसा एवं पारदर्शिता बढ़ाने के साथ पूर्वाग्रहों से मुक्त हों। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ वैश्विक एआई सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करते हुए कहा कि एआई राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को बदल रहा है और इस सदी में मानवता के लिए व्यवस्था (कोड) बना रहा है। इसके साथ ही मोदी ने अगला 'एआई एक्शन समिट' भारत में आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने फ्रांस द्वारा आयोजित मौजूदा शिखर सम्मेलन में 'एआई फाउंडेशन' और 'टिकाऊ एआई परिषद' की स्थापना के बारे में लिए गए निर्णयों का समर्थन भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''शासन और मानकों को स्थापित करने के लिए ऐसे सामूहिक वैश्विक प्रयासों की जरूरत है जो हमारे साझा मूल्यों को बनाए रखें, जोखिमों का ध्यान रखें और विश्वास पैदा करें।'' उन्होंने कहा कि शासन केवल जोखिमों और प्रतिद्वंद्विता का प्रबंधन करना नहीं है, बल्कि यह नवाचारों के प्रोत्साहन और उन्हें वैश्विक भलाई के लिए तैनात करने के बारे में भी है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें प्रौद्योगिकी को लोकतांत्रिक बनाना चाहिए और आम लोगों पर केंद्रित एप्लिकेशन बनाने चाहिए। हमें साइबर सुरक्षा, गलत सूचना और डीप फेक से संबंधित चिंताओं का भी समाधान करना चाहिए।'' उन्होंने पूर्वाग्रहों से मुक्त गुणवत्तापूर्ण डेटा समूहों के विकास पर जरूरत पर बल देते हुए कहा कि मुक्त स्रोत वाला ऐसा एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के असरदार और उपयोगी होने के लिए इसे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में निहित होना चाहिए। मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत एआई की क्षमता को दर्शाते हुए की। उन्होंने कहा कि एआई शब्दों के आडंबर को भेद सकता है और डॉक्टरों की पर्चियों को एक ऐसी भाषा में संक्षेप में पेश कर सकता है जिसे लोग आसानी से समझ सकें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एआई से जुड़ी सीमाओं और पूर्वाग्रहों को भी समझने की जरूरत है। मोदी ने कहा, ''हमें नवाचारों और शासन के बारे में गहराई से सोचना चाहिए और खुलकर चर्चा करनी चाहिए। खासकर वैश्विक दक्षिण में शासन सब लोगों तक पहुंच सुनिश्चित करने के बारे में भी है। यहां पर क्षमताओं की सबसे अधिक कमी है, चाहे वह कंप्यूटिंग हो, बिजली हो, प्रतिभा हो, डेटा हो या वित्तीय संसाधन हों।''

प्रौद्योगिकी आने से नौकरियां खत्म नहीं होतीं, उनकी प्रकृति बदलती है: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम मेधा (एआई) आने से नौकरियां जाने की आशंकाएं खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि इनकी प्रकृति बदलती है और नई तरह की नौकरियां पैदा होती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''एआई ऐसी दुनिया बनाने में मदद कर सकता है जिसमें टिकाऊ विकास लक्ष्यों की दिशा में सफर आसान और तेज हो। ऐसा करने के लिए हमें संसाधनों और प्रतिभाओं को एक साथ जोड़ना होगा। हमें मुक्त स्रोत वाली प्रणाली विकसित करनी होगी जो भरोसे और पारदर्शिता बढ़ाए।''

प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस में अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस और उनकी पत्नी उषा से मुलाकात की

महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ के पार पहुंची

महाकुंभ नगर : महाकुंभ मेले में संगम में स्नान करने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और आम स्नानार्थियों की संख्या मंगलवार को 45 करोड़ का स्तर पार कर गई। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को दोपहर 12 बजे तक 10 लाख कल्पवासियों समेत कुल 81.60 लाख लोगों ने स्नान किया और 13 फरवरी से अभी तक 45.58 करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं। बयान के मुताबिक, मंगलवार की सुबह 8 बजे ही महाकुंभ में 45 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या पार हो गई। मंगलवार को सुबह 8 बजे तक करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। संभावना है कि स्नानार्थियों की संख्या 50-55 करोड़ के ऊपर जा सकती है। यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था।

आज माघी पूर्णिमा स्नान के लिए मेला प्रशासन ने कमर कसी

महाकुंभ मेले में बुधवार को माघी पूर्णिमा स्नान के साथ श्रद्धालुओं का एक महीने का कल्पवास पूरा हो जाएगा और वे अपने अपने घरों को लौटना शुरू कर देंगे। मेला प्रशासन ने माघी पूर्णिमा स्नान को निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए कमर कस ली है। एक ओर श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए 11 फरवरी को सुबह चार बजे से संपूर्ण मेला क्षेत्र को 'नो व्हीकल जोन (वाहन निषिद्ध क्षेत्र)' घोषित किया गया है, तो दूसरी तरफ आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए अस्पतालों और एंबुलेंस को अलर्ट रखा गया है।

महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने दिए निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माघ पूर्णिमा के रूप में चौथे स्नान पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के लिए चाक चौबंद व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट आदेश है कि मेला क्षेत्र तथा प्रयागराज शहर में किसी भी स्नानार्थी, श्रद्धालु, कल्पवासी या आम नागरिक को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ऐसे में, यातायात, वाहनों के सुगम आवागमन, पार्किंग, सुरक्षा, निगरानी समेत विभिन्न पहलुओं पर पूरी तत्परता के साथ स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है।

शुद्ध रूप से प्रत्यक्ष कर संग्रह अबतक 15 प्रतिशत बढ़कर 17.78 लाख करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली : शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अबतक 14.69 प्रतिशत बढ़कर 17.78 लाख करोड़ रुपये रहा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध रूप से गैर-कंपनी कर संग्रह सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर लगभग 9.48 लाख करोड़ रुपये हो गया। गैर-कंपनी करों में मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर शामिल है। एक अप्रैल, 2024 से 10 फरवरी, 2025 के बीच शुद्ध रूप से कंपनी कर संग्रह छह प्रतिशत से अधिक बढ़कर 7.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से शुद्ध संग्रह चालू वित्त वर्ष में अबतक 65 प्रतिशत बढ़कर 49,201 करोड़ रुपये हो गया है। इस अवधि के दौरान 4.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 'रिफंड' जारी किए गए। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 42.63 प्रतिशत अधिक है।

रामपुरहाट में 16 हजार किलो विस्फोटक जब्त, ट्रक चालक समेत तीन गिरफ्तार

■ तेलंगाना से झारखंड ले जाया जा रहा था विस्फोटक

बीरभूम : जिले के रामपुरहाट में पुलिस ने एक ट्रक से 16 हजार किलो विस्फोटक जब्त किया है। यह विस्फोटक अमोनियम नाइट्रेट से भरे 320 बोरों में रखा गया था। पुलिस ने इस मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक कहां और किस मकसद से ले जाया जा रहा था, इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार की रात करीब 10 बजे रामपुरहाट से तारापीठ जाने वाली सड़क पर मुनसुबा मोड़ के पास एक ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में अमोनियम नाइट्रेट से भरे 320 बोरे बरामद हुए। प्रत्येक बोरे का वजन 50 किलो था, जिससे कुल विस्फोटक मात्रा 16 हजार किलो हो गई। प्रारंभिक जांच में पुलिस का मानना है कि यदि यह विस्फोटक इस्तेमाल किया जाता तो पूरा तारापीठ क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता था। ट्रक के चालक और सहायक से पूछताछ में विस्फोटक से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। साथ ही उनके बयानों में कई असंगतियां पाई गईं, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनसे पूछताछ के बाद एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि यह विस्फोटक तेलंगाना के संगारेड्डी जिले से झारखंड के देवघर जिले के सिरसिया इलाके में ले जाया जा रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक अमन दीप ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था, इसका पता लगाया जा रहा है। घटना सामने आने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस हर कोण से जांच कर रही है कि क्या यह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा था।

आज बजट पेश करेगी ममता सरकार

महिला सशक्तिकरण औंर कल्याणकारी योजनाओं पर होगा जोर

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राज्य सरकार बुधवार को बजट पेश करेगी। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, तृणमूल कांग्रेस सरकार अपने आगामी बजट में सामाजिक सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण को प्रमुखता देने की तैयारी कर रही है। सरकार इन योजनाओं को अपने चुनावी सफलता के लिए अहम मान रही है। आज शाम वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। चूंकि, यह 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले का अंतिम पूर्ण बजट होगा, इसलिए इसमें लोकलुभावन योजनाओं की भरमार रहने की संभावना है। वित्त विभाग से जुड़े एक अधिकारी के अनुसार, सरकार 'बांग्लार बाड़ी' आवास योजना और महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता योजना 'लक्ष्मी भंडार' पर विशेष ध्यान देने वाली है। दोनों योजनाओं के लिए बजट में बड़े आवंटन की उम्मीद है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि इस बार बजट में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण की योजनाओं के लिए बड़े ऐलान किए जा सकते हैं। गरीबों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की भी संभावना है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में लक्ष्मी भंडार योजना के लिए 12 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया गया था, जिससे सामान्य वर्ग की महिलाओं को मिलने वाली राशि हजार रुपये और अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं को 1,200 रुपये कर दी गई थी। इस कदम को 2024 के लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं को साधने के लिए अहम माना गया था।

कमर की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए जसप्रीत बुमराह

नयी दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कमर की चोट के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। चयन समिति ने पाकिस्तान में 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बुमराह की जगह हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। चयनकर्ताओं ने वरुण चक्रवर्ती को भी टीम में शामिल किया है। वह यशस्वी जायसवाल की जगह लेंगे, जिन्हें शुरुआत में घोषित टीम में शामिल किया गया था। हाइब्रिड मॉडल समझौते के तहत भारत टूर्नामेंट के अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए घोषित भारतीय टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं।

भारत भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में 180 देशों में 96वें स्थान पर

नयी दिल्ली : ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर है, क्योंकि इसका समग्र स्कोर एक अंक गिरकर 38 हो गया है। यह सूचकांक, सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कथित स्तर के आधार पर 180 देशों और क्षेत्रों की रैंकिंग करता है। इसमें शून्य से 100 के पैमाने का इस्तेमाल किया जाता है, जहां ''शून्य'' का अर्थ अत्यधिक भ्रष्ट और ''100'' का मतलब साफ-सुथरी व्यवस्था है। भारत का कुल स्कोर 2024 में 38 था, जबकि 2023 में यह 39 और 2022 में 40 था। वर्ष 2023 में भारत की रैंकिंग 93 थी। भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान (135) और श्रीलंका (121) निचले पायदान पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और नीचे 149 पर है। चीन 76वें स्थान पर है। सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्रों की सूची में डेनमार्क शीर्ष पर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर का स्थान है।

मोदी के अमेरिकी दौरे से पहले अडानी को बड़ी राहत

ट्रंप ने लगाई विदेशों में भ्रष्टाचार विरोधी कानून पर रोक

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे से पहले ही अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के लिए राहत भरी खबर आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस कानून को लागू करने पर रोक लगा दी है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देने से रोकता था। ट्रंप का कहना है कि यह कानून अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह है। इस फैसले के बाद मंगलवार को अडानी ग्रुप के सभी लिस्टेड शेयरों में अच्छी बढ़त देखी गई। ट्रंप ने एफसीपीए को लागू करने में ढील देने का आदेश दिया है। मोदी 12 फरवरी से 13 फरवरी तक अमेरिकी की यात्रा पर होंगे। इस दौरान वह ट्रंप से भी मुलाकात करेंगे।

जम्मू में नियंत्रण रेखा के पास विस्फोट में कैप्टन समेत दो जवान शहीद, एक अन्य घायल

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को संदिग्ध आतंकवादियों की ओर से किए गए एक आईईडी विस्फोट में सेना के कैप्टन समेत दो जवान शहीद हो गए, जबकि एक अन्य घायल हो गया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब सेना की जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' इकाई के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने सोमवार को राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर ''शत्रुतापूर्ण गतिविधियों'' का जायजा लिया था। सेना ने आईईडी विस्फोट में दो जवानों के शहीद होने की पुष्टि की और कहा, ''हमारे जवानों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और तलाश अभियान जारी है।'' अधिकारियों ने बताया कि जवान भट्टल इलाके में गश्त कर रहे थे, तभी अपराह्न तीन बजकर 50 मिनट पर एक अग्रिम चौकी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ और वे इसकी चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक कैप्टन समेत दो सैन्यकर्मियों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट में एक अन्य जवान घायल हो गया और उसकी हालत ''खतरे से बाहर'' बताई जा रही है। सेना की जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कॉर्प्स' इकाई ने दोनों जवानों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम किया।

शेयर बाजार में लगातार पांच दिन की गिरावट में निवेशकों को हुआ 16.97 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

नयी दिल्ली : शेयर बाजार में पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट के कारण निवेशकों को 16.97 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी और अमेरिका के नये सिरे से शुल्क लगाने को लेकर व्यापार युद्ध की आशंका से बाजार नीचे आया। बीएसई सेंसेक्स में पिछले पांच दिन में 2,290.21 अंक यानी 2.91 प्रतिशत की गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 1,018.20 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ दो सप्ताह के निचले स्तर 76,293.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,281.21 अंक तक लुढ़क गया था। शेयर बाजार में गिरावट के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 16,97,903.48 करोड़ रुपये लुढ़क कर 4,08,52,922.63 करोड़ रुपये पर आ गया। अकेले मंगलवार को शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों को 9,29,651.16 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

रुपया 66 पैसे के उछाल के साथ 86.79 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपया 66 पैसे के उछाल के साथ 86.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह पिछले कुछ साल में रुपये में एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि 88 के स्तर के करीब पहुंचने के एक दिन बाद मंगलवार को हुई तीव्र बढ़त, विश्वव्यापी शुल्क युद्ध की चिंताओं के बीच अत्यधिक अस्थिर मुद्रा बाजार को दर्शाती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 87.45 पर खुला और कारोबार के दौरान 86.61 प्रति डॉलर के उच्चस्तर को छू गया। अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 86.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 66 पैसे की बढ़त है।

Diamond Jewellery, Solitaires, Hallmarked Gold Jewellery, Polki, Kundan-Jadau and Certified Gemstones with buy-back facility.
INDIAN GEM & JEWELLERY CREATION www.indiangem.com
9B, Wood Street: Ground Floor, Kolkata 700 016 M +91 89810 89018 **South City Mall:** Ground Floor, 375, Prince Anwar Shah Road, Kolkata 700 068 M +91 89810 89029 **City Centre II, Rajarhat :** Block-B, 2nd Floor, Shop No. 201, New Town, Kolkata 700 157 M +91 89810 89066 **Howrah:** JP's AC Market (Shri Vindyachal Building), 35, Dr. Abani Dutta Road (Near Howrah AC Market) M +91 89810 89027 **Vardaan Market:** 106 Vardaan Market, 1st Floor, 25A, Camac Street, Kolkata 700 016 M +91 89810 89003 **Bagnan:** Glorious Shopping Complex, Near CTC Bus Stand, Shop No. 4, 1st Floor, Bagnan, Howrah 711 303 M +91 89810 89024 **Durgapur:** Shop No. 205, Dreamplex Mall, 1st Floor, City Centre, Durgapur 713 216 M +91 89810 89017 **Serampore:** Agnisha - II, Ground Floor, 30, K M Shah Street, Serampore, Hooghly 712 201 M +91 89810 89014
Authorised Retailer: Forevermark, Platinum & MMTC Gold & Silver Bars Toll Free No. **1800 889 1704**

टकराव टाल विकास करने का आदेश

देश को वैकल्पिक राजनीति व साफ-सुथरे प्रशासन देने के वायदे के साथ सत्ता में आई आम आदमी पार्टी का हालिया विधानसभा चुनावों में हुआ हश्र अप्रत्याशित नहीं है। निश्चित रूप से भाजपा के साधन-संपन्न बड़े संगठन और उसके केंद्र की सत्ता में होने का मुकाबला कर पाना किसी भी दल के लिये आसान नहीं था। भ्रष्टाचार के विरुद्ध चले अन्ना आंदोलन से उपजी आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल पार्टी के पोस्टर ब्वाय के रूप में तो उभरे लेकिन जब उन पर तथा उनके सहयोगियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, तो वे जनता की अदालत में खुद को पाक-साफ साबित नहीं कर पाये। दरअसल, पिछले एक दशक से केंद्र सरकार से लगातार टकराव, कोर्ट-कचहरी और आरोप-प्रत्यारोपों से दिल्ली की जनता भी तंग आ चुकी थी। निस्संदेह, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में आप ने रचनात्मक पहल जरूर की, लेकिन केंद्र सरकार व उसके प्रतिनिधि एलजी से लगातार जारी टकराव से दिल्ली का विकास अवरुद्ध होता नजर आया। लेकिन भाजपा ने जिस व्यापक स्तर पर और प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर दिल्ली का चुनाव लड़ा, उसके अप्रत्याशित परिणाम आने स्वाभाविक थे। इस तरह भाजपा ने ढाई दशक से अधिक के वनवास को खत्म करके सत्ता का वरण कर लिया। लेकिन 43 फीसदी मत व 22 विधायकों के साथ उभरी आप एक मजबूत विपक्ष की भूमिका में जरूर रहेगी। लेकिन यह जरूर है पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल व पार्टी के नंबर दो मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, सत्येंद्र जैन आदि अन्य धुरंधरों की हार से विधानसभा में आप की आवाज कमजोर जरूर हो जाएगी। वहीं कयास लगाए जा रहे हैं कि इन चुनावों के परिणाम से आप का अन्य राज्यों में विस्तार प्रभावित होगा। बहुत संभव है कि आप की पंजाब सरकार पर कुछ आंच आए। लेकिन एक बात तय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस भाजपा के प्रदर्शन को कमजोर आंका जा रहा था, वह एक बार फिर जीत की लय में दिखायी दे रही है। उसने हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में यह करिश्मा दिखाया।

इस चुनाव में कांग्रेस का खाता न खुलना पार्टी के लिये निराशाजनक ही है। वहीं इंडिया गठबंधन के लिये भी यह स्थिति बेहद निराशाजनक है क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसके दो दल आप व कांग्रेस ताल ठोककर उतरे थे। इस चुनाव का एक रोचक पहलू यह भी रहा है कि अब तक मुफ्त की रेवड़ियों वाला आप का जो हथियार उसके विपक्षियों को पस्त करता रहा है, भाजपा ने उसी हथियार को आप के खिलाफ सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। खासकर महिलाओं को नकद राशि देने के भाजपा के वायदे ने गेमचेंजर की भूमिका निभायी। वहीं भाजपा के मजबूत संगठन और सशक्त चुनावी तंत्र ने तसवीर बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। यही वजह है कि जहां भाजपा का खुशियों का कमल खिला, वहीं कांग्रेस की शून्य की हैट्रिक देश की सबसे पुरानी पार्टी को आत्ममंथन को बाध्य कर गई है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने आप को अपने सबसे मुश्किल दौर में पहुंचा दिया है। साथ ही यह भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में वैकल्पिक राजनीति के सपने के टूटने जैसा भी है। इसके अलावा अब आप नेतृत्व को पार्टी को एकजुट बनाये रखने की भी चुनौती होगी। वहीं भाजपा पर दबाव होगा कि दिल्ली में पानी,बिजली,जलभराव, सफाई की व्यवस्था बनाने के साथ ही कूड़े के ढेरों के अभिशाप से राष्ट्रीय राजधानी को मुक्त कराए। अकसर होने वाला वायु प्रदूषण का संकट दूर करना भी एक चुनौती है। यमुना की बदहाली दूर करने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच विजय रैली को संबोधित करते हुए लिया है, लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसी रैली में उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की सभी सीमाओं पर स्थित सभी राज्यों में पहली बार भाजपा की सरकारें सत्तारूढ़ हैं। उम्मीद है भाजपा इसे दिल्ली व एनसीआर के विकास का स्वर्णिम अवसर बनाएगी। विश्वास है कि डबल इंजन की सरकार किसी व्यवधान की दलील के बिना राष्ट्रीय राजधानी के गौरव को वैश्विक मापदंडों के अनुरूप ढाल पाएगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 12 फरवरी, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, माघ शुक्लपक्ष पूर्णिमा, 19:27 तक, नक्षत्र : आश्लेषा, 19:35 तक, योग : सौभाग्य, 08:06 तक, सूर्योदय: 6:11, सूर्यास्त: 17:32, चन्द्रोदय : 17:22, चन्द्रास्त: 06:01, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 11:50 से 13:15

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए दिन करियर में सफलता दिलाने वाला है। भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। तरक्की के साथ आपकी कीर्ति भी बढ़ेगी।

वृष : वृष राशि वालों का ध्यान नई योजनाओं पर केंद्रित रहेगा। यात्रा से मन प्रसन्न रहेगा और नयापन महसूस होगा। कोई कानूनी विवाद पक्ष में सुलझ सकता है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए दिन रचनात्मक कार्यों के लिए बेहतरीन है। किसी क्रिएटिव काम को करने में आपको सफलता प्राप्त होगी। रुके हुए काम पूरे होंगे और आर्थिक लाभ होगा।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए दिन रचनात्मकता से भरा है। जिस काम को आप लगन से करेंगे, उसका फल आपको जरूर मिलेगा। घर में महत्वपूर्ण बातचीत हो सकती है।

सिंह : सिंह राशि वालों का दिन काफी व्यस्त रहेगा। तरक्की के योग बन रहे हैं और आपको लाभ होगा। शुभ कार्यों में सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है।

कन्या : कन्या राशि वालों को लाभ होगा, लेकिन हर काम संयम और सावधानी से करेंगे तो आपको सफलता प्राप्त होगी। किसी से भी टकराव से बचें। किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है।

तुला : तुला राशि वालों के लिए दिन लाभदायक है। कार्य-व्यवहार से जुड़े विवाद सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट में सफलता मिलेगी और भाग्य आपका साथ देगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपको दिन भर लाभ के अवसर मिलेंगे, इसलिए सक्रिय रहें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु : धनु राशि वालों को हर कार्य में सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी। व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाने से लाभ होगा और आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नए अवसर आपके आसपास हैं।

मकर : मकर राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। आपको पार्टनरशिप वाले बिजनस में लाभ होगा और तरक्की मिलेगी। व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। तरक्की होगी और मन प्रसन्न रहेगा।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों को करियर में लाभ होगा। कुछ लोगों को हर काम सावधानी से करने की सलाह है। मौसम में बदलाव के कारण सेहत से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन : मीन राशि वालों के लिए दिन करियर के लिहाज से अच्छा होगा। कारोबार में जोखिम उठाने से फायदा होगा। परेशानियों को धैर्य और विनम्रता से सुलझाएं।

रैदास युगपुरुष और युगस्रष्टा सिद्ध संत थे

ललित गर्ग

महामना संत रविदास कहो या रैदास-भारतीय संत परम्परा, भक्ति आन्दोलन और संत-साहित्य के जहां महान् हस्ताक्षर है, वहीं वे अलौकिक-सिद्ध संत, समाज सुधारक, साधक और कवि हैं। दुनियाभर के संत-महात्माओं में उनका विशिष्ट स्थान है। सद्गुरु रामानंद के पारस स्पर्श ने चर्मकार रैदास को भारत वर्ष का महान चमत्कारी एवं सिद्धात्मा संत बना दिया था। वे निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। मन चंगा तो कठौती में गंगा, यह संत शिरोमणि रैदासजी के द्वारा कहा गया अमर सूक्ति भक्ति दोहा है, जो आज भी भारत के घर-घर में लोकप्रिय है। वे कबीर के समसामयिक कहे जाते हैं। उन्होंने जीवनपर्यन्त छुआछूत, ऊंच-नीच, जातिवाद जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराइयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान समाज सुधारक संत रैदासजी को जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

रैदासजी ने समता और समरसता की शिक्षा भी दी, और हमेशा दलितों, वंचितों की विशेष रूप से चिंता भी की। स्पष्ट है कि रैदासजी जैसे महान भक्त जाति, क्षेत्र तथा व्यवसाय आदि बंधनों से मुक्त थे। इसलिए रैदासजी हर जाति, वर्ग तथा व्यवसाय के लोगों के लिए पूजनीय है। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में रविदासजी ने भी धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जातिवाद एवं सम्प्रदायवाद के खिलाफ वातावरण बनाया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए रविदासजी ने संजीवनी बूंटी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना रविदासजी के काल में, रविदासजी के ही हाथों, उनकी रचनाओं-विचारों एवं कार्यों से हुई।

रविदासजी के जन्म को लेकर कई मत हैं। लेकिन उनके जन्म पर एक दोहा खूब प्रचलित है- 'चौदस सो तैंसीस कि माघ सुदी पन्दरास, दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री गुरु रविदास- इस पंक्ति के अनुसार गुरु रविदास का जन्म माघ मास की पूर्णिमा को रविवार के दिन 1433 को हुआ था। इसलिए हर साल माघ मास की पूर्णिमा तिथि को रविदास जयंती के रूप में मनाया जाता है जोकि इस वर्ष 12 फरवरी 2025 को है। रैदास पंथ का पालन करने वाले लोगों में रविदास जयंती का एक विशेष महत्व है। रविदासजी का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के गोवर्धनपुर गाँव में एक मोची परिवार में हुआ था। मध्यकाल की प्रसिद्ध संत मीराबाई भी रविदासजी को अपना आध्यात्मिक गुरु मानती थीं। रविदासजी ने लोगों को एक नई राह दिखाई कि घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। अपनी सामान्य पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद भी रविदासजी भक्ति आंदोलन, हिंदू धर्म में भक्ति और समतावादी आंदोलन में एक प्रमुख पुरोधा पुरुष के रूप में उजागर हुए।

संत रविदास जयन्ती- 12 फरवरी, 2025

जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रैदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित मानवता, समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। जूते बनाने के कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। रैदासजी श्रीराम और श्रीकृष्ण भक्त परंपरा के कवि और संत माने जाते हैं। उनके प्रसिद्ध दोहे आज भी समाज में प्रचलित हैं जिन पर कई धुनों में भजन भी बनाए गए हैं। जैसे, प्रभुजी तुम चंदन हम पानी- इस प्रसिद्ध भजन को सभी गुनगुनाते हैं। क्योंकि उन्होंने कभी धन के बदले आत्मा की आवाज को नहीं बदला तथा शक्ति और पुरुषार्थ के स्थान पर कभी संकीर्णता और अकर्मण्यता को नहीं अपनाया। रैदासजी के उच्च आदर्श और उनकी वाणी, भक्ति एवं अलौकिक शक्तियों से प्रभावित होकर अनेक राजा-रानियों, साधुओं-महात्मा तथा विद्वज्जनों ने उनको सम्मान दिया है। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अंधकारमय था तब संत गुरु रविदास एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। वे ईश्वर को पाने का एक ही मार्ग जानते थे और वो है 'भक्ति'। हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि उनमें थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना रविदासजी के सर्वधर्म समभाव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है।

पवित्रता, मानवीयता, आत्मनिर्भरता, सहिष्णुता और एकता रैदासजी के मुख्य धार्मिक संदेश थे। हिंदू धर्म के साथ ही सिख धर्म के अनुयायी भी गुरु रविदास के प्रति श्रद्धा भाव रखते हैं। यही कारण है कि रविदासजी की 41 कविताओं को सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव ने पवित्र ग्रंथ आदिग्रंथ या गुरुग्रंथ साहिब में शामिल कराया था। गुरु रविदासजी ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और अपने शिष्यों को उच्चतम शिक्षा पाने के लिए प्रेरित किया। रविदासजी कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। रविदासजी ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे।

रविदासजी एक सिद्ध एवं अलौकिक संत थे। एक कथा के अनुसार रविदासजी बचपन में अपने साथियों के साथ खेल रहे थे। उनमें से एक साथी अगले दिन खेलने नहीं आता है तो रविदासजी उसे ढूंढ़ते हुए उसके घर तक पहुंच जाते हैं। उसकी मृत्यु हो गई और वे मृत शरीर को देखकर बहुत दुखी होते हैं और अपने मित्र को बोलते हैं कि उठो ये समय सोने का नहीं है, मेरे साथ खेलो। इतना सुनकर उनका मृत साथी खड़ा हो जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि संत रविदासजी को बचपन से ही आलौकिक शक्तियां प्राप्त थी। संत गुरु रविदास ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। रविदासजी शब्दों का महासागर हैं, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है। मीराबाई के आमंत्रण पर संत रैदासजी चित्तौड़गढ़ आ गये लेकिन यहां भी उनकी गंगा भक्ति तनिक भी कम नहीं हुई। वहीं पर उनका 120 वर्ष की आयु में निर्वाण हुआ। भारतीय सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परिवेश में संत रैदासजी गंगा भक्ति इतिहास में एक अमिट आलेख एवं सुनहरा पृष्ठ है।

-लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार

नक्सलियों से निर्णायक लड़ाई में आगे बढ़ता देश

प्रमोद भार्गव

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। डिस्ट्रिक रिजर्व गॉर्ड, एसटीएफ और बस्तर योद्धाओं के संयुक्त दल ने इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में 31 नक्सली मार दिए।हालांकि इस मोर्चे में एक जवान शहीद हो गए और दो घायल हैं।जिन्हें खतरे से बाहर बताया है।बस्तर के आइजी सुंदरराज पी ने कहा है कि मौके से एके 47 इंसास जैसे अनेक घातक हथियार मिले हैं। बीजापुर में सात दिन में यह दूसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले गंगालूर क्षेत्र में 2 फरवरी को 8 नक्सली मारे गए थे।इसी तरह 4 अक्टूबर 2024 को सुरक्षा बलों ने अबूझमाड़ के थुलथुली में 38 नक्सलियों को मार गिराया था। हलांकि 8 जनवरी 2025 को छत्तीसगढ़ के ही बीजापुर जिले के अंबेली गांव के पास नक्सलियों द्वारा बिछाए गए अति तीव्र विस्फोटक की चपेट में आकर एक आरक्षित गार्ड समेत आठ जवान शहीद हो गए थे। विस्फोटक इतना तीव्र था कि जवानों के वाहन स्कार्पियों के परखच्चे उड़ गए थे। लेकिन अब नक्सलियों को बालों लगातार चुनौती मिल रही है। नक्सलियों का दमन हो रहा है। केंद्र सरकार ने 2026 तक नक्सलवाद का पूर्ण सफाया करने का संकल्प लिया हुआ है। बावजूद नक्सलियों का अस्तित्व अब तक बना है तो इसलिए क्योंकि कुछ देश विरोधी ताकतें उन्हें धन, घातक हथियार, विस्फोटक और उत्तम गुणवत्ता की संचार प्रणाली उपलब्ध करा रहे हैं। लगता है कि सजातीय वनवासियों और ग्रामीणों पर उनकी पकड़ अभी भी बनी हुई है। वही सुरक्षाबलों की मुखबिरी करके सटीक जानकारी पहुंचाते हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ सरकार ने भी दो टूक कह दिया है कि या तो नक्सली समाज से जुड़ जाएं या खात्मे के लिए तैयार रहें।

नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोषिष है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केंद्र सरकार की कोषिष है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। षाह का कहना है कि 2004-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिषत की कमी आई है। 2004-14 में नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देष में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004-14 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई है और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है, उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कष्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी षक्ति अभी षेश है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर षिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निषाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका हैं, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुष्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों, छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति

संदर्भः- छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 31 नक्सली ढेर

लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ है कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। बस्तर के इस जंगली क्षेत्र में नक्सली नेता हिडमा का बोलबाला रहा है। वह सरकार और सुरक्षाबलों को लगातार चुनौती दे रहा है, जबकि राज्य एवं केंद्र सरकार के पास मोदी सरकार से पहले रणनीति और दृढ़ इच्छा षक्ति की हमेषा कमी रही थी। तथाकथित षहरी माओवादी बौद्धिकों के दबाव में भी मनमोहन सिंह सरकार रही। इस कारण भी इस समस्या का हल दूर की कौड़ी बना रहा। यही वजह थी कि नक्सली क्षेत्र में जब भी कोई विकास कार्य या चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती थी तो नक्सली उसमें रोड़ा अटका देते थे।

नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व केंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुष विकास की धारा से लग रहा है? क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध सलवा जुडूम को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से दुषमनी ठन गई। इस हमले में महेंद्र कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे। लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई षक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है।

व्यवस्था बदलने के बहाने 1967 में पष्चिम बंगाल के उत्तरी छोर पर नक्सलवाड़ी ग्राम से यह खूनी आंदोलन षुरू हुआ था। तब इसे नए विचार और राजनीति का वाहक कुछ साम्यवादी नेता, समाजषास्त्री, अर्थषास्त्री और मानवाधिकारवादियों ने माना था। लेकिन अंततः माओवादी नक्सलवाद में बदला यह तथाकथित आंदोलन खून से इबारत लिखने का ही पर्याय बना हुआ है। जबकि इसके मूल उद्दष्यों में नौजवानों की बेकारी, बिहार में जाति तथा भूमि के सवाल पर कमजोर व निर्बलों का उत्थान, आंध्रप्रदेष और अविभाजित मध्य-प्रदेष के आदिवासियों का कल्याण तथा राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में आदिवासियों के प्रवेष षामिल थे।

किंतु विशमता और षोशण से जुड़ी भूमण्डलीय आर्थिक उदारवादी नीतियों को जबरन अमल में लाने की प्रक्रिया ने देष में एक बड़े लाल गलियारे का निर्माण कर दिया था, जो पषुपति ; नेपालद्ध से तिरुपति; आंध्रप्रदेषद्ध तक जाता है। इस पूरे क्षेत्र में माओवादी वाम चरमपंथ पसरा हुआ था। जब किसी भी किस्म का चरमपंथ राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बन जाए तो जरूरी हो जाता है, कि उसे नेस्तनाबूद करने के लिए जो भी कारगर उपाय उचित हों, उनका उपयोग किया जाए ?

दरअसल, देष में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा है, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती हैं। लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगाता दिखाई दे रहा है। -लेखक, साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार हैं

वर्ग पहेली नं. 3002

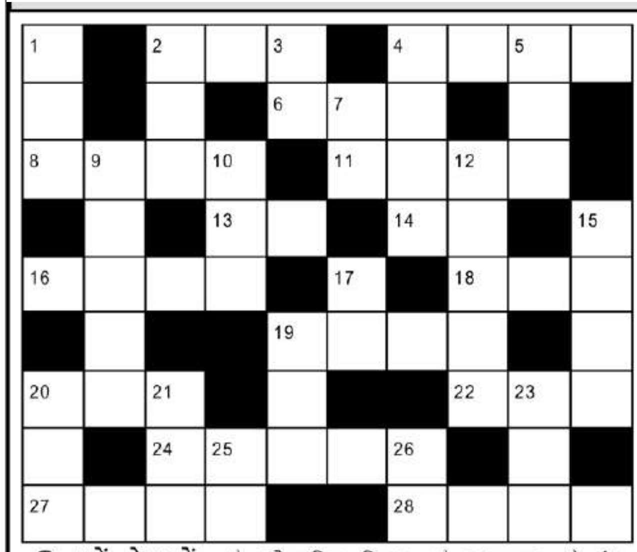

➲ **बायें से दायें:-** 2) हतोत्साहित; निराश, 4) पश्चात्ताप, 6) मंदानिल; धीमी हवा, 8) झपटकर आगे बढ़ना, 11) प्रस्थान, 13) निर्माण परिकल्पना; मानचित्र, 14) हाथी; साँप, 16) अनिवार्य, 18) देशस्तरीय, 19) कठिन; मेहनत से प्राप्त हेनेवाला, 20) ध्वजा, 22) बिसात; औकात, 24) ईर्ष्यालु, 27) असावधानी; विस्मरण; भूल, 28) तस्कर *(अंग्रेजी)*.

➲ **ऊपर से नीचे:-** 1) पाज़ेब, 2) अनुसार, 3) प्रत्येक; शत प्रतिशत; समस्त, 4) पतंगा; आज्ञापत्र, 5) ताजापन, 7) अंतरंग मित्र; जार, 9) पराधीनता, 10) सिक्ख संप्रदाय के संस्थापक, 12) नगरपालिका का अध्यक्ष, 15) डरपोकपन, 17) पाजी, 19) पेचीदा; अबोध्य, 20) कनकौवा; गुड्डी, 21) नेत्रांजन, 23) क्षमता; साहस, 25) दुर्व्यसन, 26) प्रथा; कर्मकांड.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

➲ शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2962

		4		8				
							7	1
				6				
7			1			4		
3			7		5			
						8		
	8			2				
			3				5	
	6							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2961 का उत्तर

8	4	6	3	1	2	9	7	5
7	5	3	6	4	9	1	8	2
1	9	2	7	5	8	6	3	4
6	2	8	4	9	7	5	1	3
5	1	9	8	6	3	2	4	7
3	7	4	1	2	5	8	6	9
9	3	7	5	8	6	4	2	1
2	8	1	9	7	4	3	5	6
4	6	5	2	3	1	7	9	8

उत्पीड़न का प्रतीक बन गई है तृणमूल कांग्रेस, भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया है : निर्मला सीतारमण

नयी दिल्ली/कोलकाता : केंद्रीय बजट को बंगाल विरोधी बताने के तृणमूल कांग्रेस सदस्यों के दावों को खारिज करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल उत्पीड़न का प्रतीक बन गया है और उसने राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लिए बजट में कुछ नहीं दिए जाने संबंधी तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी और अन्य कुछ सदस्यों के आरोपों पर कहा कि

राज्य में फरवरी 2024 में कल्याणी में एक एम्स की शुरुआत हुई और राज्य को रेलवे में 13,955 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है। इस दिन, वित्त मंत्री ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि 2014 से अब तक राज्य में 1293 किलोमीटर नयी ट्रेन पटरियों का और 2000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है। वित्त मंत्री ने बंगाल में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, उड़ान योजना के तहत हवाई अड्डों के परिचालन, मेट्रो, पीएम आवास योजना के तहत मकानों के निर्माण आदि का विवरण दिया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में केंद्र द्वारा वित्तीय अवरोध पैदा करने के तृणमूल कांग्रेस सांसदों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि 2016-17 से राज्य में लागू पीएम आवास योजना ग्रामीण में केंद्रीय हिस्से के रूप में 25,798 करोड़ जारी किये गये, लेकिन इसमें अनियमितताओं की शिकायतें आईं। सीतारमण ने कहा कि इस योजना में अपात्र लाभार्थियों का चयन करने की शिकायतें आईं, वहीं मनरेगा में भी इसी तरह की शिकायतें आईं। उन्होंने कहा कि मनरेगा में 25 लाख फर्जी जॉब कार्ड बनाए गए और इनके कार्यकर्ताओं ने इसे लूट की। राज्य में राशन माफिया बढ़ रहा है। सीतारमण ने कहा कि तृणमूल के वास्तविक अर्थ से भटकते हुए पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी राज्य में उत्पीड़न का प्रतीक बन गई है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में प्रति व्यक्ति आय 20 साल से राष्ट्रीय औसत से कम है।

परीक्षा देकर घर लौटते समय सड़क दुर्घटना, माध्यमिक परीक्षार्थी समेत तीन घायल

कोलकाता, समाज्ञा : परीक्षा देकर घर लौटते समय मंगलवार की शाम सड़क दुर्घटना में माध्यमिक परीक्षार्थी समेत तीन लोग घायल हो गए। घटना उत्तर 24 परगना के हाड़ोआ थाना के भीगेरहाटी इलाके की है। घायल माध्यमिक छात्र का नाम अरफाज मोल्ला (16) है। सूत्रों के अनुसार, इस दिन, माध्यमिक परीक्षा की अंग्रेजी विषय की परीक्षा थी। परीक्षा दोपहर 2 बजे समाप्त हुई। परीक्षा के बाद, अरफाज अपने दोस्त तुहिन मोल्ला (19) की बाइक पर घर लौट रहा था। बाइक हाड़ोआ से गोपालपुर की ओर जा रही थी। इसी बीच, भीगेरहाटी इलाके में उनकी बाइक नियंत्रण खोकर सड़क किनारे एक ईंट की दीवार से टकराकर एक साइकिल सवार को धक्का देकर गिर गई। छात्र अरफाज और उसके दो दोस्त सड़क पर गिर गये। इस घटना में साइकिल सवार भी घायल हो गया। स्थानीय निवासी घायलों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से उन्हें हाड़ोआ ग्रामीण अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में एलपीजी पर बनेगा खाना

बालूरघाट में आगजनी की घटना के बाद शशि पांजा ने किया ऐलान, 281 करोड़ रुपये आवंटित

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों में खाना बनाने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब सभी आईसीडीएस केंद्रों में खाना एलपीजी पर बनेगा। इसके लिए, राज्य ने 281 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। यह निर्णय हाल ही में दक्षिण दिनाजपुर में एक आंगनबाड़ी कर्मी की कोयले के चूल्हे पर खाना बनाते समय आग में जलकर मौत हो जाने की घटना के बाद लिया गया। महिला और बाल कल्याण मंत्री शशि पांजा ने मंगलवार को इस फैसले की जानकारी दी। राज्य में कुल 81,321 आंगनबाड़ी केंद्र हैं और अब से सभी केंद्रों में एलपीजी पर खाना बनेगा। शशि पांजा ने बताया कि इस योजना के तहत पहले ही 37 करोड़ 81 लाख 42 हजार 650 रुपये का बजट आवंटित किया जा चुका है और प्रत्येक केंद्र के लिए 4650 रुपये दिए जाएंगे। ओवन, सिलेंडर, लाइटर जैसी सभी आवश्यक सामग्री राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी, और गैस सिलेंडर रिफिल भी सरकार करेगी। मंत्री ने कहा, अब से सभी केंद्रों में खाना एलपीजी गैस पर

बनेगा, और इसका पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी। बालूरघाट की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए शशि पांजा ने उस महिला के परिवार को 2 लाख रुपये की सहायता और बीमा राशि देने की घोषणा की।

विधानसभा में तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर का आईफोन गायब, किड स्ट्रीट से बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा के बजट सत्र के दौरान तृणमूल कांग्रेस के भरतपुर से विधायक हुमायूं कबीर का आईफोन गायब हो गया, जिससे सदन में हड़कंप मच गया। हालांकि, एक घंटे से भी कम समय में उनका फोन किड स्ट्रीट से बरामद कर लिया गया। मंगलवार को बजट सत्र में शामिल होने पहुंचे हुमायूं कबीर विधानसभा की लॉबी में बैठकर काम कर रहे थे। उसी दौरान, उन्होंने अपना फोन बगल में रख दिया और भूलवश उसे सोफे पर छोड़कर चले गए। जब वह वापस आए, तो फोन वहां नहीं था। उन्होंने तुरंत विधानसभा के मार्शल को इसकी सूचना दी। उनके पास दो मोबाइल थे, जिनमें से उनका आईफोन गायब हो गया था। सूत्रों के अनुसार, हुमायूं कबीर विधानसभा की लॉबी में जंगीपुर के विधायक जाकिर हुसैन से बातचीत कर रहे थे। जैसे ही सत्र शुरू होने की घंटी बजी, दोनों मुख्य सदन की ओर बढ़ गए। हुमायूं कबीर अपने साथ एक फोन लेकर गए, लेकिन आईफोन गलती से सोफे पर रह गया। कुछ मिनट बाद जब वह लौटे, तो फोन गायब था। घटना की जानकारी हेयर स्ट्रीट थाने को भी दी गई। विधानसभा में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद एक विधायक का फोन कैसे गायब हुआ, इस पर सवाल उठ रहे हैं। हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं लॉबी में बैठा था और मेरे पास जाकिर हुसैन भी बैठे थे। जब सत्र शुरू होने की घंटी बजी, तो मैं जल्दी में उठकर चला गया और फोन वहीं रह गया। कुछ मिनट बाद लौटा तो फोन गायब था। बाद में, उनका फोन किड स्ट्रीट से बरामद किया गया।

भाजपा सांसद ने राज्यपाल से पार्थ चटर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित करने का किया आग्रह

कोलकाता, समाज्ञा : पुरुलिया से भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने मंगलवार को राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस को पत्र लिखकर राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री व तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। महतो ने उनकी जान को खतरा होने का दावा किया है। महतो ने राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में निजी अस्पताल में भर्ती पार्थ चटर्जी की जान को खतरा होने की आशंका व्यक्त की है। महतो के अनुसार, पार्थ चटर्जी को एसएसकेएम से निजी अस्पताल में अचानक स्थानांतरित करना गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि राज्य संचालित अस्पताल को हमेशा तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के लिए सुरक्षित स्थान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। महतो ने लिखा कि मुझे एक विश्वसनीय स्रोत से विश्वसनीय जानकारी मिली है कि जैसे-जैसे मामला अपने निष्कर्ष के करीब पहुंच रहा है, तृणमूल कांग्रेस के नेता पार्थ चटर्जी को स्थायी रूप से चुप कराने के लिए उन्हें समाप्त करने का इरादा रखते हैं। जानकारी की गंभीरता को देखते हुए, मैं आपसे किसी भी कीमत पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं। उन्हें कोई भी नुकसान न्यायिक प्रक्रिया को सीधे प्रभावित करेगा और पश्चिम बंगाल के लोगों को घोटाले के बारे में सच्चाई से वंचित करेगा। पत्र में, महतो ने राज्यपाल से पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) को स्थायी रूप से भंग करने और इसके बजाय एक उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन करने का अनुरोध किया है, जो एक नया, पारदर्शी भर्ती बोर्ड बनाए जो बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के निष्पक्ष भर्ती प्रथाओं को सुनिश्चित करे। महतो ने यह भी बताया कि स्कूल भर्ती घोटाले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से साबित होता है कि डब्ल्यूबीएसएससी ने बार-बार वास्तविक नौकरी चाहने वालों के हितों के खिलाफ काम किया है।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई)

मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा **"मेट्रो रेलवे अस्पताल, पता 28/55, एम. एन. सेन रोड, चंडीतला, कोलकाता-700040 के लिए आकस्मिक सेवाओं (यानी 04 अदद चिकित्सकों तथा 04 अदद नर्स सह अटेंडेंटों का प्रावधान)"** हेतु **इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई)** आमंत्रित की जाती है। **अनुबंध की अवधि:** 02 (दो) वर्ष। **निविदा मूल्य:** रु. 1,47,02,939.22। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 18.02.2025 को अपराह्न 03.00 बजे। **सूचना पट्ट का स्थान:** प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कार्यालय, मेट्रो रेलवे, कोलकाता, पता 28/55, एम. एन. सेन रोड, चंडीतला, कोलकाता-700040। **वेब का पता:** ईओआई सूचना, ईओआई दस्तावेज **www.mtp.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध हैं।

ईओआई सं.: एमआरटीएस/एमईडी/एचओएसपी/102/सीएस/24-25

प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी

हमें अनुसरण करें : /metrorailwaykol /metrorailkolkata

विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

❑ **देश की अर्थव्यवस्था को बचाने का श्रेय मनमोहन सिंह को दिया जाना चाहिए : शोभनदेव चटर्जी**

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव चटर्जी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को बचाने का श्रेय सिंह को दिया जाना चाहिए, क्योंकि जब उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला तब देश की अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में थी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान यह गति जारी रही और उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान आर्थिक विकास की दिशा तय की। शोभनदेव चटर्जी ने मंत्रिमंडल सहयोगी मानस भुनिया ने भी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उन्हें याद है कि उन्हें कई बार सिंह से मिलने का मौका मिला और जब भी वह उनसे मिले तो उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र तथा अन्य मुद्दों पर उनकी मजबूत पकड़ साफ झलकती थी। उन्होंने कहा कि मैं एक बार दिल्ली में उनके आवास पर गया था और मुझे सिंह और उनकी पत्नी का गर्मजोशी भरा आतिथ्य याद है। उन्होंने मुझे मिठाई खिलाई। भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने सिंह को एक ऐसा अर्थशास्त्री बताया, जिन्हें वित्तीय मामलों की अच्छी समझ थी और वह एक सज्जन, मृदुभाषी और विनम्र व्यक्ति थे। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि मनमोहन सिंह को एक बार विधानसभा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में वह नहीं आ सके, लेकिन उन्होंने एक संदेश भेजा जो दिल को छू लेने वाला और उसमें सच्चाई झलक रही थी। बिमान बनर्जी ने याद किया कि उस कार्यक्रम में उनका संदेश पढ़ा गया था। उल्लेखनीय है कि हाल ही में, तृणमूल कांग्रेस विधायक नसीरुद्दीन अहमद, तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन, सरोद वादक उस्ताद आशीष खान, फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल और राजा मित्रा का निधन हुआ था। इस दिन, इन दिवंगत आठ हस्तियों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बाद विधानसभा की कार्यवाही बुधवार को शाम 4 बजे विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही शुरू होने तक स्थगित कर दी गई।

माणिक भट्टाचार्य को बकाया वेतन मिलने को लेकर संशय बरकरार

कोलकाता, समाज्ञा : नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में लंबी अवधि तक जेल में बंद तृणमूल विधायक माणिक भट्टाचार्य ने जमानत मिलने के बाद जेल में रहने के दौरान के बकाया वेतन के लिए आवेदन किया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के नियमों के अनुसार माणिक को वेतन नहीं मिलने की संभावना है। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने इस मामले में कोई आदेश जारी नहीं किया है, जिससे यह स्पष्ट नहीं है कि माणिक को बकाया वेतन मिलेगा या नहीं। यह घटना लगभग दो साल पहले की है जब नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में पलाशिपाड़ा के तृणमूल विधायक माणिक भट्टाचार्य को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद वह लंबे समय तक जेल में रहे। हाल ही में वह जमानत पर रिहा हुए हैं। इसके बाद, उन्होंने विधानसभा के टीए-डीए विभाग में चिकित्सा से संबंधित कई बिल जमा किए। साथ ही, उन्होंने जेल में रहने के दौरान का बकाया वेतन भी मांगा। बार-बार आवेदन करने के बाद, बिमान बंद्योपाध्याय ने इस मामले में एजी की सलाह ली। एजी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के नियमों के मुताबिक जेल में रहते हुए माणिक को वेतन नहीं मिलेगा। हालांकि, यह भी बताया गया कि माणिक मेडिकल बिल प्राप्त करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने पहले ही प्रेसिडेंसी जेल के सुपरिटेंडेंट से इस मामले में बात की है। जेल प्रशासन ने बताया कि माणिक के लिए जेल में रहते हुए कुछ दवाइयां बाहर से मंगवानी पड़ी थीं और विधानसभा में बिल भेजने पर उन दवाइयों का पैसा मिल जाएगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: एसटी-ओटी-ईएलबी-04-एलसी-24-25, दिनांक: 10.02.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ डीएसटीई (समन्वय), दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं और निविदा दोपहर 12:00 बजे खोली जाएगी। **कार्य का विवरण:** निम्नलिखित के सम्बन्ध में कार्य का एस एंड टी पोर्शन (i) खड़गपुर मंडल में समपार संख्या पीएच-18, पीएच-23, पीएच-46, पीएच-55, पीएच-59, टीडी-10 एवं टीडी-35; अत्यंत पुराने 9 अदद इलेक्ट्रिक लिफ्टिंग बैरियर तथा ईएलबी के विभिन्न भागों पर आरडीएसओ अनुमोदित आईपीएस द्वारा विद्युत आपूर्ति उपकरणों की बदली। (ii) खड़गपुर मंडल में 04 अदद समपार फाटकों पर यांत्रिक लिफ्टिंग बैरियर की विद्युतीय लिफ्टिंग बैरियर में बदली। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,73,89,742.47। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,37,000। **पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **खुलने की तारीख:** 06.03.2025। **जमा करने की तारीख:** 06.03.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरा/स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस कार्य के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **(PR-1121)**

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

एडमिन यूनिट/जोन: सियालदह मंडल-वाणिज्यिक, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700 014, **ऑक्शन कैटलॉग सं.:** एसडीएएच-पार्सल-39, **नीलामी करने वाले अधिकारी:** वरिष्ठ डीसीएम/एसडीएएच। **नीलामी शुरू (सभी लॉट):** 25.02.2025 को 11.00 बजे। **नीलामी की अंतिम तिथि/समय:** 25.02.2025 को 13.10 बजे। **ऑटो एक्सटेंशन जोन:** 120 सेकंड। **ऑटो एक्सटेंशन अवधि:** 120 सेकंड। **प्रारंभिक कूलिंग ऑफ अवधि:** 30 मिनट। **लगातार लॉट का समापन अंतराल :** 10 मिनट। **अधिकतम ऑटो एक्सटेंशन :** 10 बार। **निर्णय का माध्यम :** ऑटो, **आरपी की प्रदर्शनी की गई**–नहीं। **आरपी से कम परमिट बिड** –हाँ। **विवरण:** एसएलआर कोच में पार्सल जगह (सिंगल कम्पार्टमेंट) [क्रम सं. एए/1 से एए/10 के लिए] और पार्सल वैन में पार्सल जगह [क्रम सं. एबी/1 के लिए]। **क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, ट्रिप/दिन, अंतिम तिथि/समय** निम्नानुसार हैं: **एए/1**, 13153-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-एमएलडीटी-25-1 (पार्सल-एसएलआर), 730, 25.02.2025 को 11.30 बजे, **एए/2**, 13175-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-एससीएल-23-2(पार्सल-एसएलआर), 313, 25.02.2025 को 11.40 बजे, **एए/3**, 12317-एसएलआर-एफ1-केओएए-एएसआर-22-2 (पार्सल-एसएलआर), 104, 25.02.2025 को 11.50 बजे, **एए/4**, 19414-एसएलआर-एफ1-केओएए-एडीआई-23-1 (पार्सल-एसएलआर), 105, 25.02.2025 को 12.00 बजे, **एए/5**, 13105-एसएलआर-एफ1-एसडीएएच-बीयूआई-24-1, (पार्सल-एसएलआर) 314, 25.02.2025 को 12.10 बजे, **एए/6**, 13105-एसएलआर-एफ2-एसडीएएच-बीयूआई-24-1, (पार्सल-एसएलआर), 314, 25.02.2025 को 12.20 बजे, **एए/7**, 13145-एसएलआर-एफ1-केओएए-आरडीपी-24-2, (पार्सल-एसएलआर), 313, 25.02.2025 को 12.30 बजे, **एए/8**, 13137-एसएलआर-एफ1-केओएए-एएमएच-24-1, (पार्सल-एसएलआर), 104, 25.02.2025 को 12.40 बजे, **एए/9**, 15051-एसएलआर-एफ1-केओएए-जीकेपी-25-1, (पार्सल-एसएलआर), 105, 25.02.2025 को 12.50 बजे, **एए/10**, 12325-एसएलआर-एफ1-केओएए-एनएलडीएम-23-1, (पार्सल-एसएलआर), 104, 25.02.2025 को 13.00 बजे, **एबी/1**, 13155-13156-वीपी-1-केओएए-एसएमआई-24-1 (पार्सल-पार्सल वैन), 208, 25.02.2025 को 13.10 बजे, **रेट यूनिट:** प्रति ट्रिप लाइसेंसिंग शुल्क [क्रम सं. एए/1 से एए/10 के लिए] और प्रति राउंड ट्रिप (दो तरफा) [क्रम सं. एबी/1 के लिए]। **न्यूनतम वृद्धि (%):** 0.2 (प्रत्येक हेतु)। **ईएमडी :** 5% (प्रत्येक हेतु)। **अपेक्षित टर्नओवर :** 0 (क्रम सं. एए/1, एए/3 से एए/10 के लिए) और 2000000 (क्रम सं. एए/2 और एबी/1 के लिए) । **लॉट की स्थिति :** आरपी पेंडिंग (प्रत्येक हेतु)।

SDAH-350/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

शुभेंदु अधिकारी ने कल्याणी पटाखा फैक्टरी में विस्फोट की एनआईए जांच की मांग

❑ **भाजपा नेता ने पीड़ितों को सौंपी सहायता राशि**

कोलकाता, समाज्ञा : विपक्ष के नेता व भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने मांग की कि कल्याणी पटाखा कारखाना विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपी जाए। उन्होंने दावा किया कि अवैध निर्माण गतिविधियां बड़े आपराधिक नेटवर्क से जुड़ी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि नदिया जिले में शुक्रवार को कल्याणी के रथतला के भीड़भाड़ वाले आवासीय क्षेत्र में पटाखा बनाने की एक फैक्टरी में हुए विस्फोट से तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। इसमें एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी जिसका एक स्थानीय अस्पताल में इलाज जारी

है। मंगलवार की दोपहर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इलाके का दौरा किया। उनके साथ कल्याणी के विधायक अम्बिका रॉय, हरिणघाटा के विधायक असीम सरकार, चाकदा के विधायक बंकिम घोष और कई भाजपा कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान, शुभेंदु अधिकारी ने मृतकों के परिजनों को दो लाख एक हजार रुपए की सहायता राशि दी। दौरे के बाद, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मृतक के परिवार को लगभग 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देनी चाहिए थी। वहीं, राज्य सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि इस मामले में पुलिस को दंडित करना मुख्यमंत्री का कर्तव्य है। चारों ओर पक्के मकान हैं। घायलों की संख्या बढ़ सकती थी। गनीमत रही कि इस घटना में केवल चार लोगों की जान गई। एक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके लिए कल्याणी नगरपालिका, पुलिस और राज्य सरकार जिम्मेदार हैं। कल्याणी में अवैध पटाखा निर्माण कार्य आपराधिक तत्वों से जुड़े व्यापक गठजोड़ का हिस्सा हो सकता है। यदि पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं करती है तो हम चाहेंगे कि मामले की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी को सौंपी जाए। एनआईए को इसकी पूरी जांच करनी चाहिए, क्योंकि यह सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। जरूरत पड़ी तो मैं कानूनी रूप से लड़ूंगा।

ऊर्जीकरण के संबंध में जन अधिसूचना

हावड़ा स्टेशन में

पूर्व रेलवे के निम्न वर्णित खण्ड के पूरा हो चुके खण्ड पर स्थित रेल लाइनों एवं परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि **दिनांक** 13.02.2025 को या उसके बाद 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर ऊर्जीकृत किया जाएगा। **दिनांक** 13.02.2025 से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन हर समय सक्रिय मानी जाएगी एवं कोई अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के पास न जाएगा और न ही उसके समीप कार्य करेगा। **खण्ड:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में हावड़ा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नं. 15 के मौजूदा विद्युतीकृत खण्ड के साथ प्लेटफॉर्म नं. 15 (लंबाई-294.5 मीटर) विस्तार का प्रस्तावित विद्युतीकरण। **ऊर्जीकरण की तिथि:** 13.02.2025

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

माध्यमिक परीक्षा के दूसरे दिन भी मोबाइल के कारण 6 छात्रों की परीक्षा रद्द

कोलकाता, समाज्ञा : माध्यमिक परीक्षा के दूसरे दिन भी परीक्षा रद्द होने की प्रक्रिया जारी रही। सूत्रों के मुताबिक, माध्यमिक परीक्षा के दूसरे दिन 6 छात्रों की परीक्षा रद्द कर दी गई। परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन लाने के कारण उनकी परीक्षा रद्द की गयी। इनमें उत्तर दिनाजपुर के गोयालपोखर के नंदझार तपसिलि आदर्श विद्यापीठ परीक्षा केंद्र के 4 छात्र मोबाइल फोन में सवालों की तस्वीरें लेकर कोचिंग सेंटर के शिक्षक को भेज रहे थे। शिकायत के अनुसार, भेजे गए सवालों के उत्तर भी फोन के जरिए प्राप्त हुए। इस कारण माध्यमिक परीक्षा में अब तक कुल 9 परीक्षार्थियों की परीक्षा रद्द कर दी गई है। माध्यमिक परीक्षा में मोबाइल का उपयोग रोकने के लिए बोर्ड ने सख्त कदम उठाए हैं। इसके अलावा, निगरानी में लगे शिक्षकों और शिक्षिकाओं के मोबाइल के उपयोग पर भी सख्त कदम उठाए गए हैं।

'शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार का लोगों के विश्वास पर गंभीर असर होता है'

आरजीकर अस्पताल भ्रष्टाचार मामले में हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार का जनता के विश्वास पर गंभीर असर पड़ता है। बता दें कि संदीप घोष ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज वित्तीय अनियमितता के मामले को खारिज कराने की अपील की है। इस दिन, इस याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस गौरांग कांत की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि

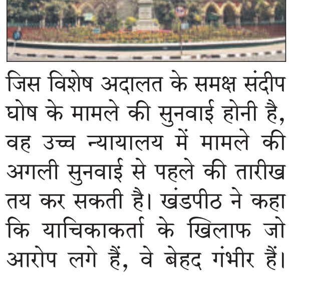

जिस विशेष अदालत के समक्ष संदीप घोष के मामले की सुनवाई होनी है, वह उच्च न्यायालय में मामले की अगली सुनवाई से पहले ही तारीख तय कर सकती है। खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ जो आरोप लगे हैं, वे बेहद गंभीर हैं। शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार से जनता का राज्य के मामलों में विश्वास कम होता है। भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी के खिलाफ सुनवाई से लोगों का न्याय व्यवस्था में विश्वास कायम होगा, लेकिन साथ ही हिरासत में जो आरोपी है, उसे भी निष्पक्ष और न्यायपूर्ण सुनवाई का अधिकार है। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई को खंडपीठ के सामने जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा। साथ ही, सीबीआई ने भी आरोपियों के खिलाफ इकट्ठा किए गए इलेक्ट्रॉनिक और स्कैन दस्तावेजों की कॉपियां आरोपियों को उपलब्ध कराने पर सहमति दे दी।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/25/8, दिनांक: 10.02.2025, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001, पूर्व रेलवे के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि :(1) 20241025ए,** सेकंडरी एयर स्प्रिंग के लिए लैटरल डैम्पर, रु. 1,93,100/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 25.02.2025, **समय :** 13.30 बजे, **(2) 15255003;** नॉइज मॉनिटरिंग टर्मिनल के साथ कॉन्टिन्यूअस एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों की आपूर्ति, संस्थापन एवं आरंभ करना आदि, रु. 20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 27.02.2025, **समय :** 13.30 बजे, **(3) 08241670ए;** ब्लेड कॉन्टैक्ट (डीआईएन टाइप) के साथ एचआरसी फ्यूज लिंक, रु. 2,88,430/-, **(4) 10245030;** व्हील फ्लेंज लुब्रिकेटिंग सिस्टम आदि की आपूर्ति, संस्थापन एवं आरंभ करना, रु. 3,36,510/-, **(5) 10245037;** 3-फेज लोको के लिए ड्राइवर्स विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस सहित फैविली प्रस्तुतकारक ब्रेक कंट्रोल सिस्टम (ई-70 ब्रेक कंट्रोल), रु. 3,15,000/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 28.02.2025, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 3 से 5 हेतु], **(6) 04245027ए;** संलग्न अनेक्सर-'ए' के अनुसार मेटलिक किट बॉक्स कम्प्लीट के साथ स्पेयर्स, 14 मदों से संलग्न एक सेट, रु. 1,16,210/-, **(7) 08241371ए;** फैन गार्ड क्लोज मेश टाइप के सेट आदि का क्रय , रु. 1,02,540/-, **(8) 08255001;** 132 केवी सिंगल कोर 630 वर्ग मिमी की आपूर्ति, रु. 9,49,530/-, **(9) 10245042;** 3डी एडजस्टेबल 360 डिग्री रोटेशनल ड्राइवर सीट आदि, रु. 5,25,340/-, **(10) 12255153;** डाइनैमिक एक्सप्रेस मशीन के लिए स्मार्ट एएलसी, रु. 2,16,000/-, **(11) 15245103;** डबल कॉलम गिलोटिन शियरिंग मशीन, रु. 1,38,240/-, **(12) 20241402;** टॉप एवं बॉटम आर्चिंग कॉन्टैक्ट के सेट आदि का क्रय, रु. 1,90,800/-, **(13) 22241369;** इंज. इंसुलिन लिस्प्रो 25% + इंसुलिन लिस्प्रो प्रोटामाइन सस्पेंशन 75% (आर-डीएनए ऑरिजिन)-100 आईयू/एमएल, 3 मिली कार्ट्रिज (01 पेन + 20 नीडल्स फ्री प्रति 20 कार्ट्रिज), रु. 0/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 03.03.2025, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 6 से 13 हेतु], **(14) 10252520;** मेसर्स ट्राइडेंट एयर ड्रॉयर के स्पेयर्स (एएस/एम48) का आईओएच किट, रु. 1,58,370/-, **(15) 15245105ए;** एएमसी के साथ सीएनसी सरफेस व्हील लेद का क्रय आदि, रु. 17,18,480/-, **(16) 19255002;** 6ठे वार्षिक ओवरहॉलिंग किट के लिए स्पेयर्स आदि, रु. 1,82,390/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 04.03.2025, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 14 से 16 हेतु], **(17) 19241038;** सी3डब्ल्यू डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व आदि, रु. 1,06,030/-, **(18) 21251420;** नैरो जॉ एडाप्टर आदि, रु. 6,71,150/-, **(19) 21251468;** आरडीएसओ के तहत बीएमबीएस बोगी के लिए ब्रेक हेड, रु. 3,04,900/-, **(20) 21251470;** बीएमबीएस आदि के लिए ब्रेक हेड पिन, रु. 3,03,440/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 06.03.2025, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 17 से 20 हेतु], **(21) 05255006;** रोलर बेयरिंग एनयू-2236 के सेट आदि का क्रय, रु. 3,18,680/-, **(22) 20241046ए;** बोल्सटर सस्पेंशन के लिए मॉडिफाइड हैंगर, रु. 1,11,150/-, **(23) 20255001;** 25 केवी एसी मेमू के लिए 1050 केवीए मेमू ट्रांसफॉर्मर कंप्लीट, रु. 1,26,260/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 10.03.2025, **समय :** 13.30 बजे [क्रम सं. 21 से 23 हेतु], **(24) 15235056डी;** कॉइल स्प्रिंग स्क्रैगिंग एवं लोड डिफ्लेक्शन का क्रय, रु. 2,31,520/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 17.03.2025, **समय :** 13.30 बजे, **(25) 20241036बी;** ईएमयू कोचों के शाकू कपलर के लिए ड्रॉ एवं बफ गियर, रु. 3,14,850/-, **निविदा खुलने की तिथि:** 26.03.2025, **समय :** 13.30 बजे। **निविदा मूल्य:** रु. 0 [क्रम सं. 1 से 25 हेतु]। **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

STORES-77/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सियालदह मंडल के तहत एटीवीएम समन्वयकों की नियुक्ति

ध्यान दें!! सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारीगण, सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों के जीवनसाथी/वयस्क संतान एवं आम जनता

सूचना सं.: सीसी.3/यूटीएस/एटीवीएम फैसिलिटेटर/न्यू/2024 दिनांक: 10.02.2025

यह रेलवे की नौकरी नहीं है, यह एक एजेंट जैसा कार्य है।
स्मार्ट-कार्ड की रिचार्ज रकम पर 3% बोनस प्रदान किया जाएगा

रेलवे प्रशासन द्वारा दिनांक 31.03.2025 तक की अवधि के लिए एटीवीएम मशीनों से अनारक्षित कागज की टिकटें जारी करने के लिए एटीवीएम समन्वयक के रूप में कार्य करने हेतु **सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों अथवा सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों के जीवनसाथी/व्यस्क संतान एवं आम जनता** से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। **क्रमांक एवं स्टेशन जहां एटीवीएम संचालित हैं एवं एटीवीएम समन्वयकों की आवश्यकता है क्रमशः निम्नलिखित हैं:** 1. अगरपाड़ा, 2. आकड़ा, 3. आड़ंघाटा, 4. बदकुल्ला, 5. बगुला, 6. बहरु, 7. बालीघाट, 8. बालीगंज जंक्शन, 9. बारासात जंक्शन, 10. बैरकपुर, 11. बसिरहाट, 12. बेलघरिया, 13. बी.बी.डी. बाग, 14. भासिला, 15. बिधाननगर रोड, 16. बिद्याधरपुर, 17. बिड़ा, 18. बिराटी, 19. बीरनगर, 20. बिशरपाड़ा कोदालिया, 21. बनगांव जंक्शन, 22. कैनिंग, 23. चाकदह, 24. चाम्पाहाटी, 25. चांदपाड़ा, 26. दक्षिणेश्वर, 27. देउला, 28. ढाकुरिया, 29. धामुआ, 30. डायमण्ड हार्बर, 31. दमदम जंक्शन, 32. दुर्गानगर, 33. दत्तपुकुर, 34. गंगनापुर, 35. गड़िया, 36. घुटियारी शरीफ, 37. गोबरडांगा, 38. गोचरण, 39. गोपाल नगर, 40. गुमा, 41. हाबरा, 42. हालीशहर, 43. हाड़ोआ रोड, 44. होटर, 45. हृदयपुर, 46. इच्छापुर, 47. यादबपुर, 48. जगद्दल, 49. जयनगर मजिलपुर, 50. कोमागाता मारू बजबज, 51. कालिकापुर, 52. कल्याणी जंक्शन, 53. कल्याणपुर, 54. खड़दह, 55. कोलकाता, 56. मछलन्दपुर, 57. मदनपुर, 58. मध्यमग्राम, 59. मगराहाट, 60. माझेरहाट, 61. माझदिया, 62. माझेर ग्राम, 63. मल्लिकपुर, 64. मुर्शिदाबाद जंक्शन, 65. नामखाना, 66. नंगी, 67. न्यू अलीपुर, 68. न्यू बैरकपुर, 69. न्यू गड़िया, 70. पलता, 71. पार्क सर्कस, 72. पायराडांगा, 73. फुलिया, 74. पियाली, 75. संग्रामपुर, 76. शासन रोड, 77. श्यामनगर, 78. शिमुराली, 79. सोदपुर, 80. तालदी, 81. ठाकुर नगर, 82. टीटागढ़ एवं 83. टॉलीगंज। ऊपर उल्लिखित स्थानों पर एटीवीएम समन्वयक के रूप में कार्य करने के इच्छुक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारीगण तथा/अथवा उनके जीनवसाथी/वयस्क संतान एवं 18 वर्ष से अधिक उम्र की आम जनता नियुक्ति की साधारण शर्तें, आवेदन प्रपत्र, पात्रता के मानदंड, कार्यकाल, चयन की प्रक्रिया एवं तथा कार्यप्रणाली इत्यादि वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड कर सकते हैं तथा उसे **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, डीआरएम बिल्डिंग, कमरा सं. 44, कैजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014** के कार्यालय में जमा करें। *रेलवे प्रशासन के पास बिना कोई कारण बताए किसी अथवा सभी आवेदनों को स्थगित/संशोधित अथवा निरस्त करने का अथवा किसी भी आवेदन को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।*

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सियालदह

स्मार्ट बनें, कतार से बचें, एटीवीएम का प्रयोग करें

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बालीगंज में प्रतिष्ठित स्कूल में लगी आग, मचा हड़कंप

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में एक बार फिर आग लगने की घटना सामने आई है। मंगलवार को बालीगंज स्थित अशोक गर्ल्स हॉल स्कूल में अचानक आग लग गई। यह आग स्कूल की तीसरी मंजिल पर लगी, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों ने जब लपटें देखीं तो तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, स्कूल में मरम्मत का काम चल रहा था और सुबह से ही मजदूर वहां काम कर रहे थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीसरी मंजिल पर एयर कंडीशनर (एसी) की मरम्मत के दौरान चिंगारी उठी, जिससे आग फैल गई। देखते ही देखते स्कूल के एक हिस्से में धुआं फैल गया। गनीमत रही कि मरम्मत के चलते स्कूल बंद था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, स्कूल के बगल में एक और शैक्षणिक संस्थान स्थित है, जहां पढ़ाई चल रही थी। इस कारण इलाके में दहशत का माहौल बन गया। फिलहाल, आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्कूल प्रशासन ने इस मामले पर अब तक कोई बयान नहीं दिया है। दमकल विभाग ने घटना की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के पीछे की सटीक वजह का पता लगाया जा रहा है। घनी आबादी वाला इलाका होने के कारण आग लगने की घटना ने लोगों को डरा दिया है, लेकिन समय रहते दमकल कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

बीएसएफ और बीजीबी ने अनौपचारिक वार्ता की

कोलकाता, समाज्ञा : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने आपसी समन्वय और सहयोग बढ़ाने के लिए मंगलवार को बांग्लादेश में सोना मस्जिद सीमा चौकी (बीओपी) पर एक अनौपचारिक बैठक की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस बैठक में बीएसएफ साउथ बंगाल फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) मनिंदर पी एस पवार और बीजीबी नॉर्थ वेस्ट रीजन के क्षेत्रीय कमांडर ब्रिगेडियर जनरल एस एम जाहिदुर रहमान ने भाग लिया। यह वार्ता भारत-बांग्लादेश सीमा पर कुछ क्षेत्रों में बाड़ लगाने के बीएसएफ के प्रयासों पर बीजीबी द्वारा आपत्ति जताए जाने की खबरों के बीच हुई है। बीएसएफ ने बयान में कहा कि सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाने, संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने, सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास पहलों की निगरानी करने और अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए प्रभावी उपायों को लागू करने पर रचनात्मक चर्चा हुई। साउथ बंगाल फ्रंटियर के आईजी ने सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए बीएसएफ और बीजीबी के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। इसमें कहा गया कि दोनों बलों के बीच निर्बाध समन्वय से न केवल सीमा सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों को भी नए आयामों पर ले जाया जाएगा। दोनों कमांडरों ने सहयोग को मजबूत करने और सुरक्षा चुनौतियों का मिलकर सामना करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने स्मार्ट पेंशन सिक्योर प्लान लॉन्च किया

नई दिल्ली/कोलकाता : टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने स्मार्ट पेंशन सिक्योर प्लान लॉन्च किया है, जो यूनिट-लिंक्ड पेंशन प्लान है और आधुनिक रिटायरमेंट जरूरतों के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है। यह योजना मार्केट-लिंक्ड रिटर्न, लच-ीलापन और कर लाभ प्रदान करती है। इस योजना के तहत 45 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्ति की योजना बनाई जा सकती है। 100% इक्विटी निवेश, असीमित फंड-स्विचिंग, हेल्थ बडी सेवाएं और ऑनलाइन खरीदारी पर लॉयल्टी एडिशन जैसी सुविधाएं दी गई हैं। यह योजना टाटा एआईए की वेबसाइट, पॉलिसीबाजार, टाटा नेउ और फोनपे पर उपलब्ध है, जिससे उपभोक्ता डिजिटल रूप से निवेश और प्रबंधन कर सकते हैं। यह योजना मिलेनियल्स और फायर जनरेशन के लिए रिटायरमेंट को सुरक्षित और तनावमुक्त बनाने का एक प्रभावी समाधान है।

एनआरएस अस्पताल में फेसबुक, इंस्टाग्राम और जोमैटो ब्लॉक, मोबाइल की लत को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम

कोलकाता, समाज्ञा : सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वाई-फाई की सुविधा होती है, जिस कारण चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी लंबे समय तक मोबाइल का उपयोग करते हैं। इस मोबाइल की लत को नियंत्रित करने के लिए अब बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। एनआरएस अस्पताल में अब फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित सभी सोशल मीडिया ऐप्स को ब्लॉक कर दिया गया है। इसके अलावा, जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी ऐप्स भी अब काम नहीं करेंगे। सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त वाई-फाई उपलब्ध है, जिसका उपयोग चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी कर सकते हैं। समस्या यह है कि दिनभर चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी मोबाइल में डूबे रहते हैं, जिससे अस्पताल में कामकाजी माहौल पर असर पड़ता है। इसी कारण एनआरएस अस्पताल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। खबरों के अनुसार, एनआरएस अस्पताल में नए इंटरनेट फायरवॉल लगाए जा रहे हैं। अब से अस्पताल का इंटरनेट केवल प्रशासनिक और शैक्षिक कार्यों के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इसके अलावा, व्हाट्सएप, जीमेल, याहू और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए आवश्यक ऐप्स और साइट्स का उपयोग किया जा सकेगा।

साइबर ठगी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार, बड़े पैमाने पर सबूत बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : साइबर पुलिस थाना द्वारा दर्ज केस के तहत आईटी एक्ट की धारा 66, 66C, 66D और आईपीसी की धारा 120B, 419, 420, 465, 467, 468, 471 के तहत दर्ज निवेश धोखाधड़ी मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की शिकायत मुनीरा सफ़दर, निवासी बऊबाजार, ने की थी। आरोपी ने उन्हें बड़े रिटर्न का झांसा देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया और उनका विश्वास जीतने के लिए एक प्रतिष्ठित अमेरिकी बैंक और सेबी द्वारा जारी किए गए दिखने वाले दस्तावेज साझा किए। अलग-अलग चरणों में शिकायतकर्ता ने कुल 9.15 लाख की राशि निवेश कर दी। इस केस में अब तक 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें से दो को 08.02.25 को पकड़ा गया था। पुलिस हिरासत में पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर सोमवार की रात हावड़ा इलाके में छापेमारी की गई, जिसमें एक और आरोपी सौम्य मुखर्जी (36) को रात 12:15 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में धोखाधड़ी से संबंधित दस्तावेज और डिजिटल सबूत बरामद किए, जिनमें 18 अलग-अलग बैंकों की चेकबुक, 11 सिम कार्ड, साउथ दमदम म्यूनिसिपैलिटी और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम की मुहरें, बैंक क्यूआर कोड, दो मोबाइल फोन, व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट और केवाईसी दस्तावेज शामिल हैं।

पूर्व रेलवे ने सियालदह डिवीजन में प्लेटफॉर्म ऊंचाई सुधार कार्य की शुरूआत की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने सियालदह डिवीजन के कई प्रमुख स्टेशनों पर चल रहे प्लेटफॉर्म ऊंचाई सुधार कार्यों के साथ यात्री सुविधाओं में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल में बहारू, मल्लिकपुर, कुल्पी, तालड़ी, सूर्यपुर, लक्ष्मीकांतापुर, ढपढ़ापी, गुरुदासनगर और संग्रामपुर जैसे स्टेशनों को शामिल किया गया है। इन कार्यों को स्वीकृत किया गया है और यह एक व्यापक इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार योजना के तहत चल रहे हैं, जिसका उद्देश्य यात्री सुरक्षा, पहुंच और समग्र स्टेशन सुविधाओं को बेहतर बनाना है। सुरक्षा के अलावा, प्लेटफॉर्म ऊंचाई सुधार पहल का उद्देश्य स्टेशनों को और अधिक सुलभ बनाना है, खासकर वृद्ध यात्रियों, विकलांग लोगों और भारी सामान ले जाने वाले यात्रियों के लिए। ऊंचे प्लेटफॉर्म यात्रियों को बिना किसी कठिनाई के ट्रेन में चढ़ने और उतरने में मदद करेंगे। यह सभी यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की व्यापक योजना के अनुरूप है, ताकि हर यात्रा यथासंभव सुविध-ाजनक और सुलभ हो सके। ये चल रहे कार्य इन स्टेशनों पर संचालन क्षमता में भी सुधार करेंगे। इसके परिणामस्वरूप, ट्रेन की आवृत्ति और समय पालन में सुधार होगा। इन स्टेशनों का आधुनिकीकरण रेल नेटवर्क को अधिक सुव्यवस्थित बनाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। हालांकि चल रहे कार्यों के दौरान कुछ अस्थायी व्यवधान हो सकते हैं, पूर्व रेलवे दैनिक संचालन पर न्यूनतम प्रभाव के साथ इन उन्नयन कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईआईआईएलएम, कोलकाता के चेयरमैन एवं निदेशक प्रो. (डॉ.) रामा प्रसाद बनर्जी ने 48वीं अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2025 में अपनी दो पुस्तकों - द वेदाज : विस्डम एंड ट्रुथ फॉर ह्युमन इमरजंस और बेदस्नान: सत्यार्थीर ब्रह्मज्ञान साधन बेदपथे का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध अभिनेता अबीर चट्टोपाध्याय भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भारत मंडपम में 'द पल्सेस कॉन्क्लेव 2025' का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली/कोलकाता : केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह 12 से 14 फरवरी तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित आईपीजीए 'द पल्सेस कॉन्क्लेव (टीपीसी) 2025' का उद्घाटन करेंगे। इसका विषय समृद्धि के लिए दालें - स्थिरता के साथ पोषण है। यह कॉन्क्लेव दालों के व्यापार, स्थिरता और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है। इसमें दालों के उत्पादन को बढ़ाने की रणनीतियों, नीतिगत ढांचे, तकनीकी प्रगति, वैश्विक बाजार के रुझान और मूल्यवर्धित उत्पादों पर चर्चा होगी। पिछले संस्करणों में 30+ देशों की भागीदारी रही है, और इस बार 800+ प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

आईपीजीए अध्यक्ष बिमल कोठारी ने विश्व दलहन दिवस 2025 के विषय दालें: कृषि खाद्य प्रणालियों में विविधता लाना पर कहा कि दालें पौधे-आधारित प्रोटीन का समृद्ध स्रोत होने के साथ-साथ टिकाऊ कृषि, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और कार्बन फुटप्रिंट घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारत दालों में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए घरेलू खेती को मजबूत करना, मूल्य श्रृंखला विकसित करना और उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है।

आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 34% की मजबूत राजस्व वृद्धि की दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड, जो भारत में 50 से अधिक प्रकार के रेफ्रिजरेशन उपकरणों का प्रमुख निर्माता है, ने 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने मजबूत बाजार मांग और परिचालन दक्षताओं के कारण 34% की वार्षिक राजस्व वृद्धि दर्ज की। आइस मेक का समेकित राजस्व 110.56 करोड़ रहा, जो पिछले साल की तुलना में 34% अधिक है, जबकि कुल आय 110.77 करोड़ रही। ईबीआईटीडीए 6.89 करोड़ और शुद्ध लाभ (पीएटी) 2.81 करोड़ रहा, जो क्रमशः 56% और 39% की वृद्धि को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 25 के पहले नौ महीनों में समेकित राजस्व 299.17 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि शुद्ध लाभ में 5% की गिरावट आई। आइस मेक के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, चंद्रकांत पटेल ने कहा, हम अपने उच्च-गुणवत्ता वाले कूलिंग समाधानों और बाजार विस्तार के लिए प्रतिबद्ध हैं, और आगामी वर्षों में 500 करोड़ का राजस्व लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं। कंपनी अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कैंसर एवम् थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायतार्थ लायन बंधुओं की पहल

कोलकाता : कैंसर एवम् थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायतार्थ लायन्स क्लब ऑफ कलकत्ता ग्रैंड द्वारा प्रीतम स्विचेज लायोनाथोन का आयोजन 16 फरवरी को लायन्स चिल्ड्रेन पार्क में किया जायेगा। क्लब की अध्यक्ष दीपा जुथानी, सचिव अलका धानुका ने बताया विधायक देवाशीष कुमार, लायन्स डिस्ट्रिक्ट 322बी1 की डी जी सलोनी साल्वी, डिस्ट्रिक्ट 322बी2 के डी जी विजय जोधानी एवम् अतिथियों की उपस्थिति में 5 किलोमीटर के वॉक मैराथन में लायन बंधुओं सहित नागरिक शामिल होंगे। वृद्ध नागरिक 3 किलोमीटर के वॉक मैराथन में शामिल होंगे। देशप्रिय पार्क नॉर्थ गेट से वॉक मैराथन प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्ग का भ्रमण करते हुए देशप्रिय पार्क नॉर्थ गेट में समाप्त होगी। लायन प्रकाश खेतान, अनीता लाहोटी, नीतू बैद, सुशील सोनी, महेश तिवारी, गिरिराज चांडक, पराग जुथानी, मीनाक्षी केडिया एवम् लायन बन्धु सक्रिय हैं।

अमेज़न ने भारत में तीन नई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की घोषणा

कोलकाता : अमेज़न ने भारत में तीन नई पवन ऊर्जा परियोजनाओं- क्लीनमैक्स कोप्पल (कर्नाटक, 100एमडब्ल्यू), ब्लूपाइन सोलापुर (महाराष्ट्र, 99एमडब्ल्यू) और जेएसडब्ल्यू एनर्जी धारापुरम (तमिलनाडु, 180एमडब्ल्यू)-में निवेश किया है। ये परियोजनाएं अमेज़न के परिचालन के लिए कार्बन-मुक्त ऊर्जा उपलब्ध कराएंगी और जलवायु प्रतिज्ञा लक्ष्यों को पूरा करने में योगदान देंगी। भारत में अमेज़न की कुल 53 सौर और पवन परियोजनाएं 4 मिलियन एमडब्ल्यूएच से अधिक ऊर्जा उत्पन्न करेंगी, जो 1.3 मिलियन भारतीय घरों के लिए पर्याप्त है। रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने इस पहल की सराहना की। एडब्ल्यूएस एपीजेसी एनर्जी प्रमुख अविनाश शेखर ने कहा कि अमेज़न 2040 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये परियोजनाएं स्थानीय रोजगार और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देंगी।

बी.आर.सिंह अस्पताल ने नेत्र विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे द्वारा संचालित बी.आर.सिंह अस्पताल ने 9 फरवरी को कोलकाता स्थित मंथन रेलवे ऑडिटोरियम में नेत्र विज्ञान पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। भारतीय रेलवे ऑप्थल्मिक फिजिशियन एसोसिएशन और बी.आर.सिंह अस्पताल के ऑप्थल्मोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में रेलवे ऑप्थल्मोलॉजिस्ट और देशभर के प्रमुख नेत्र चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। यह अस्पताल रेलवे के लाभार्थियों, उनके परिवार के सदस्यों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को निःशुल्क स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करता है, साथ ही वंचित वर्ग के लोगों के लिए भी निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराता है। इस सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में नेत्र विज्ञान के नवीनतम विकास, अंधेपन की रोकथाम और रिफ्रेक्टिव सर्जरी पर गहन चर्चा की गई। वरिष्ठ रेलवे ऑप्थल्मोलॉजिस्ट डॉ. शुभांकर होम, डॉ. अर्नव मित्रा, डॉ. देबजानी मुखर्जी और डॉ. ललित अधिकारी ने रेलवे कर्मचारियों के मेडिकल परीक्षण पर भी चर्चा की। इस सम्मेलन में 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और एक इंटरएक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया।

उच्च शिक्षा की बदहाली में बंगाल देश में 18वें स्थान पर, नीति आयोग की रिपोर्ट में खुलासा

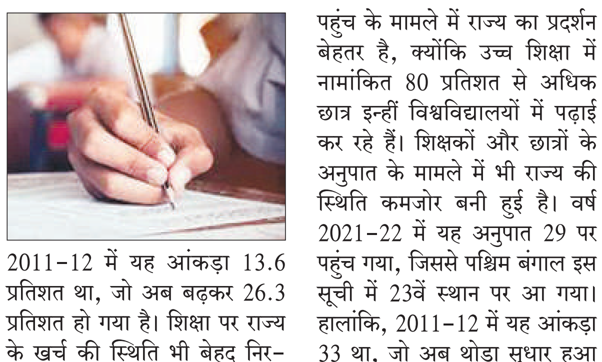

कोलकाता, समाज्ञा : नीति आयोग ने 'राज्यों और राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के ज़रिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का विस्तार' शीर्षक से एक पॉलिसी रिपोर्ट जारी की है। यह उच्च शिक्षा क्षेत्र में अपनी तरह का पहला नीति दस्तावेज है, जो खासकर राज्यों और राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों (एसपीयू) पर केंद्रित है। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट 'राज्यों और राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का विस्तार' में पश्चिम बंगाल की उच्च शिक्षा व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021-22 में राज्य का सकल नामांकन अनुपात मात्र 26.3 प्रतिशत रहा, जिससे यह पूरे देश में 18वें स्थान पर पहुंच गया। हालांकि, 2011-12 में यह आंकड़ा 13.6 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 26.3 प्रतिशत हो गया है। शिक्षा पर राज्य के खर्च की स्थिति भी बेहद निर-ाशाजनक है। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सकल राज्य घरेलू उत्पाद का केवल 0.43 प्रतिशत ही उच्च शिक्षा पर खर्च किया जाता है, जो पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों से भी काफी कम है, जहां यह आंकड़ा एक प्रतिशत के आसपास रहता है। हालांकि, सरकारी विश्वविद्यालयों की पहुंच के मामले में राज्य का प्रदर्शन बेहतर है, क्योंकि उच्च शिक्षा में नामांकित 80 प्रतिशत से अधिक छात्र इन्हीं विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। शिक्षकों और छात्रों के अनुपात के मामले में भी राज्य की स्थिति कमजोर बनी हुई है। वर्ष 2021-22 में यह अनुपात 29 पर पहुंच गया, जिससे पश्चिम बंगाल इस सूची में 23वें स्थान पर आ गया। हालांकि, 2011-12 में यह आंकड़ा 33 था, जो अब थोड़ा सुधार हुआ है। गत माह नीति आयोग ने 'वित्तीय स्वास्थ्य सूचकांक: 2025' जारी किया था, जिसमें पश्चिम बंगाल की वित्तीय स्थिति भी खराब पाई गई थी। इस रिपोर्ट में 18 राज्यों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा की गई थी, जिसमें पश्चिम बंगाल को 16वां स्थान मिला था।

सिलीगुड़ी इंटरसिटी ने लोकल ट्रेन को मारी टक्कर, दो बच्चों समेत छह घायल

कूचबिहार : उत्तर बंगाल के कूचबिहार जिले के बामनहाट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक बड़ा रेल हादसा होते-होते बच गया। बताया गया है कि सिलीगुड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन से अचानक खड़ी लोकल ट्रेन में टक्कर मार दी। हादसे में दो बच्चों समेत छह लोग घायल हो गए। दुर्घटना में लोकल ट्रेन का एक डिब्बा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद लोकल ट्रेने को स्टेशन पर ही रोक दिया गया। यात्रियों ने शिकायत की कि सिलीगुड़ी जाने वाली 15468 सिलीगुड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन की दिशा बामनहाट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की सुबह बदली जा रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। हादसे में दो बच्चों सहित छह यात्री घायल हो गए। रेलवे पुलिस ने घायलों को तुरंत इलाज के लिए बामनहाट ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सुबह करीब 7 बजे हुई इस हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं, खबर मिलते ही रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे। साथ ही आसपास के लोग भी घटनास्थल पर काफी संख्या में एकत्र हो गए। हालांकि, टक्कर के तुरंत बाद सिलीगुड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस को रवाना कर दिया गया। इस संबंध में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की वजह पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

कोलकाता की प्रतिष्ठित पीली टैक्सी अब हेरिटेज लुक में, राज्य सरकार ने दी मंजूरी

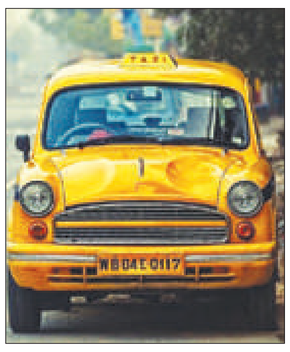

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता, समाज्ञा कोलकाता की पहचान बन चुकी पीली टैक्सी अब अपने नए हेरिटेज रूप में शहर की सड़कों पर दौड़ेंगी। राज्य सरकार ने इन टैक्सियों को नए हेरिटेज लुक में बदलने की मंजूरी दे दी है। परिवहन विभाग द्वारा स्वीकृत इस योजना के तहत, टैक्सियों के दोनों ओर विक्टोरिया मेमोरियल की स्थापत्य शैली से प्रेरित काले रंग के शानदार अलंकरण लगाए जाएंगे। इस पहल को हेरिटेज संरक्षण से जुड़ी एक संस्था ने प्रस्तावित किया था, जिसे मंगलवार को सरकार की स्वीकृति मिल गई। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि हर महीने कम से कम 20 गाड़ियों पर यह डिजाइन लागू किया जाए। अब एक नया मोड़ यह है कि इन हेरिटेज टैक्सियों की बुकिंग 'यात्रीसाथी' ऐप के जरिए भी की जा सकेगी, जो कि यात्रियों के लिए एक नई और सुविधाजनक शुरुआत है। इस परिवर्तन के बाद, अब सभी की नजरें इस पर होंगी कि क्या कोलकाता की पारंपरिक एम्बेसडर टैक्सियों को भी इसी हेरिटेज लुक में बदला जाएगा।

समर्पण ट्रस्ट ने समाजसेवियों व व्यावसायियों को सम्मानित किया

❑ **ट्रस्ट के स्थापना दिवस पर 'समर्पण ट्रस्ट सम्मान समारोहः उत्कृष्टता को नमन' का आयोजन**

कोलकाता, समाज्ञा : समर्पण ट्रस्ट ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर शिक्षा, समाज सेवा, समाज निर्माण तथा व्यवसाय व उद्यमशीलता के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने वाले विभूतियों को सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह के माध्यम से कोलकाता महानगर के दिवंगत समाजसेवियों व व्यावसायियों के योगदान को भी सराहा गया।

इस समारोह में सर्वप्रथम पद्मश्री सज्जन भजनका व उनकी धर्मपत्नी संतोष भजनका को विशिष्ट व्यक्तित्व सम्मान भी प्रदान किया गया। समर्पण ट्रस्ट ने दो माह पूर्व ही सरला बिरला समर्पण शिक्षा अलख सम्मान से सम्मानित करने का निर्णय लिया था। समर्पण ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश बजाज ने इस अवसर पर सभी उप-स्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा, समर्पण ट्रस्ट का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों को मान्यता प्रदान करना है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दे रहे हैं। समारोह में पद्मश्री सजन भजनका को सपत्नीक सरला बिरला समर्पण शिक्षा अलख सम्मान, संदीप खंडेलिया को श्याम सुन्दर बेरीवाल समर्पण डायमंड बिजनेस अवार्ड, बनवारीलाल सोती को सपत्नीक साधुराम बंसल समर्पण समाज निर्माण सम्मान, पवन टिबरेवाल को सत्यनारायण बजाज समर्पण समाज सेवा सम्मान तथा संदीप गुप्ता को श्रीकृष्ण खेतान समर्पण युवा उद्यमशीलता सम्मान से सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित पद्मश्री बिपिन गनात्रा को भी सम्मानित किया गया। समर्पण ट्रस्ट के महासचिव प्रदीप ढेडिया ने इस मौके पर कहा कि हम उन महान विभूतियों के योगदान को उचित सम्मान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिन्होंने अपनी पूरी ज़िन्दगी समाज की भलाई के लिए समर्पित की है। समारोह में समर्पण ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पंचाग का लोकार्पण भी हुआ। ट्रस्ट के जनसम्पर्क सचिव अभयुदय दुगड़ ने कहा कि समर्पण ट्रस्ट हमेशा से समाज में वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए प्रयासरत रहा है। समारोह की अध्यक्षता की वरिष्ठ पत्रकार विश्वम्भर नेवर ने। ट्रस्ट के कार्यकारी सदस्य अमन ढेडिया ने ट्रस्ट की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन महावीर प्रसाद रावत ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के सलाहकार डा. जयप्रकाश मिश्र ने किया।

हावड़ा-पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस अब 16 कोचों के साथ दौड़ेगी

कोलकाता, समाज्ञा : वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों ने पहले ही यात्री सवारी में तेजी से वृद्धि दर्ज की है और साथ ही यात्रियों को उच्चतम स्तर की आरामदायक यात्रा और उच्च गति से यात्रा करने का अनुभव भी प्रदान किया है। हावड़ा-पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, भारतीय रेलवे की सेमी हाई-स्पीड मार्वेल, जो 24 सितंबर 2023 को धूमधाम से उद्घाटित हुई थी अब यात्रियों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प बन गई है। यह ट्रेन 26 सितंबर 2023 से अपनी वाणिज्यिक यात्रा शुरू कर चुकी है, जिससे पटना और हावड़ा के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को शानदार सुविधा मिली है। 22347/22348 हावड़ा-पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस में 25 नई सुविधाएं हैं, जो यात्रा के अनुभव को और भी बेहतर बनाती हैं। रेलवे द्वारा यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए, 13 फरवरी से 22347/22348 हावड़ा-पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस को 08 कोचों के बजाय 16 कोचों के साथ चलाने का निर्णय लिया है। इस वृद्धि का उद्देश्य अधिक यात्रियों को समायोजित करना और इस हाई-स्पीड मार्ग पर यात्रा की सुविधा को और भी बेहतर बनाना है।

उत्तर हावड़ा में शीतला मां की स्नान यात्रा ने मचाई धूम, श्रद्धा और उल्लास से सराबोर रहा सलकिया

हावड़ा : मंगलवार का दिन उत्तर हावड़ा के लिए एक ऐतिहासिक दिन बनकर उभरा, जब शीतला मां की स्नान यात्रा ने क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। सलकिया के श्री अरविंद रोड स्थित शीतला मां के मंदिर में मां ने अपनी बहनों के साथ स्नान किया, और भक्तों ने अपनी श्रद्धा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण पेश किया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, श्रद्धालुओं का सैलाब बढ़ता गया, और पूरे क्षेत्र में एक अद्वितीय आस्था का माहौल बन गया। इस वर्ष भी मां की स्नान यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। सड़कें ऐसी भर गई थीं कि चलने के लिए जगह भी नहीं बची थी। श्री अरविंद रोड, बांधाघाट, बनारस रोड, बाबूडांगा, सलकिया स्कूल रोड, और जीटी रोड पर रैली जैसी भीड़ देखी गई। सड़क के दोनों किनारे खड़े हजारों लोग फूलों की बारिश करते हुए मां का स्वागत कर रहे थे। इस दौरान, ढोल और नगाड़े की धुनों से वातावरण और भी भव्य बन गया। हालांकि, यह उत्सव ढोल-नगाड़े की धुनों के साथ तब शुरू हुआ जब माध्यमिक परीक्षा समाप्त हो चुकी थी। श्रद्धालुओं का जोश और उत्साह देखते ही बनता था, जो पूरे सलकिया क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया।

❑ बांधाघाट पर बड़ी मां का भव्य स्नान, भक्ति और आस्था से भरपूर यात्रा

जैसे ही मंदिर से बड़ी मां की शोभायात्रा निकली, पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास का माहौल बन गया। श्री अरविंद रोड, सलकिया मोड़ और बाबूडांगा होते हुए मां की पालकी बांधाघाट पहुंची, जहां भक्तों ने विधिपूर्वक मां का स्नान कराया। स्नान के बाद, बड़ी मां को सलकिया के मुर्गीहट्टा ले जाया गया, जहां उनकी छोटी बहन (छोटी मां) से साक्षात्कार हुआ। इसके बाद, मां को मंदिर लौटाकर श्रद्धापूर्वक उनका श्रृंगार किया गया। हर कदम पर श्रद्धालुओं की जयकारों से पूरा सलकिया भक्तिमय हो गया।

❑ 480 साल पुरानी शीतला मां की स्नान यात्रा, सुरक्षा के कड़े प्रबंध

शीतला मां की ऐतिहासिक स्नान यात्रा का आयोजन 480 सालों से भी अधिक समय से हो रहा है, जो 1539 से आरंभ हुई थी। माघ पूर्णिमा के 24वें दिन मां शीतला का स्नान और पूजा अर्चना की जाती है। मान्यता है कि इस दिन मां का स्नान कराकर पूजा करने से फरवरी के महीने में आने वाले मौसम परिवर्तन से चेचक जैसे रोगों से बचाव होता है। इस पावन अवसर पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। हर गली, हर चौराहे पर पुलिस की तैनाती थी और महिला पुलिसकर्मियों को सादे लिबास में तैनात किया गया। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन की मदद से यात्रा की निगरानी भी की गई।

अचानक नवान्न पहुंचे सौरव गांगुली, 45 मिनट ममता के साथ हुई बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और बीसी-सीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली मंगलवार को अचानक नवान्न पहुंचे। उन्होंने वहां लगभग 45 मिनट बिताए और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। हालांकि, उनकी इस बैठक का उद्देश्य स्पष्ट नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट संपन्न हुआ था, जिसमें पिछले वर्ष गांगुली भी एक तैयारी बैठक में शामिल हुए थे। उस समय उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया था और पश्चिम बंगाल में निवेश को लेकर अपनी रुचि जाहिर की थी। उन्होंने संकेता दिया था कि जल्द ही उनकी तीसरी इस्पात फैक्ट्री स्थापित होने वाली है। इस दिन, नवान में मुख्यमंत्री से उनकी मुलाकात ऐसे समय हुई है जब यह सामने आया कि उन्होंने शालबनी में 350 एकड़ जमीन 100 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह जमीन पहले प्रयाग ग्रुप के स्वामित्व में थी और सरकारी टेंडर के माध्यम से गांगुली ने इसे खरीदा। हालांकि, प्रयाग ग्रुप ने इस सौदे पर आपत्ति जताते हुए दावा किया है कि इस जमीन की मौजूदा कीमत 2700 करोड़ रुपये है। इस विवाद को लेकर 13 फरवरी को अदालत में सुनवाई होनी है। माना जा रहा है कि गांगुली ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

❑ बालागढ़ पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत

हुगली, समाज्ञा : जिले के बालागढ़ थाने की पुलिस से एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में एक किराना दुकानदार को गिरफ्तार किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार मंगलवार की सुबह नाबालिग सोमरा बाजार स्टेशन क्षेत्र स्थित एक किराना दुकान पर पक्षियों के लिए भोजन खरीदने गई थी। आरोप है कि उस समय दुकान में कोई अन्य ग्राहक नहीं था, इसलिए किराना दुकान के मालिक ने नाबालिग को अंदर बुलाया और उसे अनुचित तरीके से छुआ। पीड़िता चीखने चिल्लाने लगी। इसलिए उन्होंने उसे जाने दिया। वहां से नाबालिग घर गई और चाकू से अपना हाथ काट लिया। नाबालिग की मां ने उसे रोका। वह अपनी मां के सामने रोते हुए बेहोश हो गई। जब नाबालिग को होश आया तो उसने अपनी मां और बहन को घटना का वृतांत बताया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके के लोगों ने दुकानदार को घेर लिया। इलाके में तनाव फैलने की खबर मिलते ही बालागढ़ थाने पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले गई। नाबालिग के परिजनों ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी को बुधवार चुंचुड़ा कोर्ट में पेश किया जाएगा।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बंगाल विधानसभा में भाषण देने की जताई इच्छा

❑ विशेष सत्र में कर सकते हैं संबोधित

नई दिल्ली/कोलकाता : देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बंगाल विधानसभा में भाषण देने की इच्छा जताई है। उनके सचिव सुनील गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी से मुलाकात की और उप राष्ट्रपति के इस विशेष संबोधन की सूचना दी। हालांकि, इसके पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मौजूदा समय में विधानसभा में बजट सत्र चल रहा है। इस सत्र के दौरान उप राष्ट्रपति के भाषण के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस घोषणा के बाद यह सवाल उठता है कि उप राष्ट्रपति ने अचानक पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाषण देने की इच्छा क्यों जताई? इस मुद्दे को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। उप राष्ट्रपति का पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाषण देने का प्रस्ताव उन परिस्थितियों के बीच आया है, जब राज्य और केंद्र सरकार के बीच कई मुद्दों को लेकर तकरार बनी हुई है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पश्चिम बंगाल राज्य से ताल्लुक रखते हैं। उनके इस कदम को पश्चिम बंगाल की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, इस पर कोई आधिकारिक बयान या स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, लेकिन इस घटनाक्रम को राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि विशेष सत्र में उप राष्ट्रपति के भाषण के दौरान वे किस मुद्दे पर बात करते हैं और इस कदम के पीछे की वास्तविक मंशा क्या है?

महाकुंभ में सड़क हादसे में पुरुलिया की तीन महिला श्रद्धालुओं की मौत

पुरुलिया/प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसे में पुरुलिया की तीन महिलाओं की मौत हो गई। यह दुर्घटना मंगलवार की सुबह 8 बजे प्रयागराज में हुई, जब तीनों महिलाएं सड़क पार कर रही थीं और एक तेज रफ्तार लॉरी की चपेट में आ गईं। मृतकों की पहचान जागरी महतो (45), अल्पना महतो (44) और कुंती महतो (65) के रूप में हुई है। ये तीनों तमना पुलिस थाना क्षेत्र के गोपाल्डी गांव की निवासी थीं। सूत्रों के मुताबिक, पिछले रविवार को पश्चिम बंगाल के तमना पुलिस स्टेशन क्षेत्र के चकलेटर अस्पताल मोड़ से करीब 60 तीर्थयात्रियों का एक दल बस से कुंभ स्नान के लिए रवाना हुआ था। बस मंगलवार की सुबह प्रयागराज पहुंची, जहां से तीर्थयात्री स्नान के लिए उतर रहे थे। इसी दौरान तीनों महिलाएं सड़क पार कर रही थीं, जब एक तेज रफ्तार लॉरी ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना पर पुरुलिया के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बंद्योपाध्याय ने कहा कि प्रयागराज प्रशासन से संपर्क किया जा रहा है ताकि शवों को शीघ्र ही पुरुलिया लाया जा सके। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। प्रशासन इस मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रहा है।

राज्य सरकार ने 13 फरवरी को 'शब-ए-बारात' के अवसर पर सरकारी छुट्टी की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने 13 फरवरी को 'शब-ए-बरात' के अवसर पर सरकारी छुट्टी की घोषणा की है। हर साल वित्त विभाग द्वारा साल भर की छुट्टियों की सूची जारी की जाती है, जिसमें इस साल 14 फरवरी को शब-ए-बरात की छुट्टी दी गई थी। लेकिन मंगलवार को नवान्न से इस संबंध में एक नया आदेश जारी किया गया। इसके अनुसार, 13 फरवरी को शब-ए-बारात के अवसर पर सभी सरकारी कर्मचारियों को छुट्टी दी जाएगी। 14 फरवरी, शुक्रवार को ठाकुर पंचानन वर्मा के जन्मदिन पर भी सरकारी छुट्टी रहेगी। 15 और 16 फरवरी को छुट्टियां होने के कारण सरकारी कर्मचारियों को इस सप्ताह चार दिनों की छुट्टी मिलेगी। इस दिन सरकारी स्कूल, कॉलेज, संस्थान, बोर्ड, निगम, नगरपालिका और सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त कार्यालय, स्कूल, कॉलेज तथा कार्यालय बंद रहेंगे।

मकाउट में छात्रा की आत्महत्या पर मचा हंगामा, परीक्षाएं रद्द

❑ घटना के बाद विश्वविद्यालय ने स्वीकार की लापरवाही

कोलकाता, समाज्ञा : मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (मकाउट) में एमटेक की छात्रा सायनी सेन की आत्महत्या के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार को होने वाली सभी परीक्षाएं रद्द कर दीं। इस घटना को लेकर छात्रों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया, जिससे सोमवार की रात से ही विश्वविद्यालय में तनाव बना हुआ है। बता दें कि सायनी सेन, जो माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की एमटेक प्रथम वर्ष की छात्रा थीं और पश्चिम बर्दवान के दुर्गापुर की रहने वाली थीं, ने सोमवार को परीक्षा हॉल में नकल करते हुए पकड़े जाने के बाद पांचवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दावा किया कि सायनी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और उनका काउंसलिंग चल रहा था। वहीं, छात्रों का आरोप है कि एक शिक्षक द्वारा परीक्षा के दौरान उन्हें अपमानित किया गया, जिसके कारण उन्होंने यह कदम उठाया। छात्रों का कहना है कि परीक्षा के दौरान शिक्षकों ने उनकी उत्तर-पुस्तिका ले ली थी, हालांकि 15 मिनट बाद लौटा भी दी गई। लेकिन, परीक्षा खत्म होने के बाद वह अचानक लापता हो गईं। बाद में, उनका शव अकादमिक भवन के पीछे रक्तरंजित मिला। घटना के बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। सबसे बड़ा सवाल यह उठा कि जब विश्वविद्यालय परिसर में दो एम्बुलेंस थीं, तो सायनी को अस्पताल क्यों नहीं पहुंचाया गया? छात्रों ने आरोप लगाया कि वह लगभग 40 मिनट तक घायल अवस्था में पड़ी रहीं, लेकिन उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल सका। पुलिस जब अस्पताल लेकर गई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मंगलवार को परीक्षा रद्द करने की घोषणा करते हुए विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति तापस चक्रवर्ती ने कहा कि छात्र आंदोलन को देखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। उन्होंने माना कि एम्बुलेंस चालकों की गैरमौजूदगी विश्वविद्यालय की गंभीर लापरवाही थी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि निचले स्तर के कर्मचारियों पर प्रशासन का सीधा नियंत्रण नहीं होता। वहीं, छात्रों ने मांग की है कि सायनी की मौत की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन को लेनी होगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और कार्यवाहक कुलपति ने छात्रों के साथ बैठक कर मामले को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन खबर के लिखे जाने तक विरोध जारी था।

श्याम प्रेमी ग्रुप (बांधाघाट) ने लगाया सेवा शिविर

हावड़ा, समाज्ञा : विगत वर्षों की भांति इस भी हावड़ा के सलकिया स्थित बड़ा शीतला माता के स्नान यात्रा के अवसर पर श्याम प्रेमी ग्रुप (बांधाघाट) के तत्वावधान मे गोविंद बनर्जी लेन, बांधाघाट में सेवा शिविर का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा लगाये गये सेवा शिविर का यह चौथा वर्ष था। माता शीतला के स्नान यात्रा में शामिल होने वाले हजारों की संख्या में भक्तों की सेवा हेतु शिविर का शुभारंभ दोपहर 2 बजे से किया गया। शिविर के माध्यम से पेयजल, बिस्कुट, चॉकलेट, ट्राफी आदि का बच्चों में वितरण किया गया। शिविर को सफल बनाने में सुभाष उपाध्याय, बिजय शर्मा, रमेश सिंह, मनोज साव, संतोष पांडे, गौतम शर्मा, संजय शर्मा, एल डी शर्मा, अक्षय शर्मा, अभिषेक पांडे, अर्पिन सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह जानकारी महासचिव अनिल शर्मा ने दी।

नैहाटी में तृणमूल नेता की हत्या का मुख्य आरोपी समेत दो लोग उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिला के नैहाटी में तृणमूल कांग्रेस नेता संतोष यादव की हत्या के मुख्य आरोपित राकेश साव को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है। बारासात पुलिस आयुक्तालय की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने स्थानीय पुलिस की मदद से सोमवार की रात उसे बलिया जिले के फेफना थाना क्षेत्र के एक गांव से गिरफ्तार किया। मंगलवार को पुलिस ने बताया कि एसआईटी अधिकारियों सत्यनारायण पांडे और अरित्र चंद्र ने फेफना के एक दूरस्थ गांव में छापेमारी की। पुलिस जब पहुंची, तब राकेश और उसका साथी विशाल गहरी नींद में थे। दोनों को संभलने का मौका नहीं मिला और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद, उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तृणमूल नेता संतोष यादव की हत्या के बाद से ही राकेश फरार था। पुलिस पिछले 11 दिनों से उसकी तलाश कर रही थी, लेकिन वह लगातार बचता रहा। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद इस हत्याकांड से जुड़े और भी अहम खुलासे होने की संभावना है। पुलिस पूछताछ कर रही है कि हत्या की साजिश में और कौन-कौन शामिल था। इस गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। तृणमूल नेताओं ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है, जबकि विपक्षी दलों ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पुलिस पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कर रही है।

घाटाल मास्टर प्लान की कार्य प्रगति को लेकर रविवार को महत्वपूर्ण बैठक

मेदिनीपुर/कोलकाता : घाटाल में बाढ़ से बचाव के लिए मास्टर प्लान की प्रगति पर 16 फरवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। जलसंसाधन मंत्री मानस भुइंया की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में मास्टर प्लान की अब तक की स्थिति और भविष्य की कार्य योजना पर चर्चा होगी। राज्य सरकार ने घाटालवासियों को बाढ़ से बचाने के लिए इस मास्टर प्लान को केंद्र की मदद के बिना लागू करने का निर्णय लिया है। इस दिशा में काम पहले ही शुरू हो चुका है। अब तक के काम की स्थिति और आगामी कार्यों को तेजी से पूरा करने के तरीकों पर विचार किया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया जाएगा कि आने वाले वर्षा के मौसम में घाटाल को फिर से बाढ़ का सामना करना पड़ेगा या कुछ राहत मिल सकेगी। जलसंसाधन विभाग द्वारा आयोजित इस बैठक में स्थानीय नेतृत्व और जिला प्रशासन के अधिकारी भी शामिल होंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मास्टर प्लान के त्वरित और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए रणनीति बनाना है।

रिषड़ा के रबड़ केमिकल कारखाने में लगी आग, दमकल की पांच गाड़ियां पहुंची

हुगली, समाज्ञा : जिले के रिषड़ा के बागखाल इलाके में स्थित पीएमसी रबड़ केमिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कारखाने में मंगलवार की सुबह तकरीबन 11.15 बजे आग लग गई। देखते ही देखते पूरा इलाका काले धुएं से ढक गया। खबर पाकर दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग को काबू किया। दम घुटने से एक कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई जिसे एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। खबर लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया था। इस अग्निकांड में होने वाले नुकसान का भी सटीक आंकलन नहीं हो सका था। सूत्रों के अनुसार, कारखाने के गोदाम में आग लगी थी जिसमे काफी माल जलकर खाक हो गया। इस अग्निकांड का कवरेज करने पहुंचे मीडिया कर्मियों को भी काम करने से रोकने की कोशिश की गई।

बैंक धोखाधड़ी मामले में मास्टरमाइंड बिस्वरूप चौधरी गिरफ्तार

कोलकाता : एंटी चीटिंग सेक्शन, डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कल देर शाम बिस्वरूप चौधरी को बेहाला थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। बिस्वरूप चौधरी कई दिनों से वांछित था। आरोपी ने बैंक कर्मियों की मिलीभगत से पंजाब एंड सिंध बैंक, बीबीडी बाग शाखा में फर्जी दस्तावेज जमा कर 29 ऑटो कार लोन स्वीकृत करवाए, जिससे बैंक को 2,09,88,791 का नुकसान हुआ। इस मामले में अब तक 11 आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। गिरफ्तार आरोपी ने बीएसके ऑटोमोबाइल्स नामक फर्जी कंपनी बनाई और केनरा बैंक, बड़ाबाजार शाखा में खाता खोलकर जाली दस्तावेजों के जरिए कार लोन प्राप्त किया।

बिस्वरूप चौधरी इस घोटाले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है।

पिंजरे में कैद हुआ कुलतली में आतंक मचाने वाला बाघ

कोलकाता, समाज्ञा : काफी कोशिशों के बाद कुलतली में दहशत फैलाने वाला बाघ पकड़ा गया। उक्त जानकारी मंगलवार को वन विभाग ने दी। बताया गया है कि इस दिन, तड़के 3.30 बजे वन विभाग की टीम ने रॉयल बंगाल टाइगर को पिंजरे में कैद कर लिया। बता दे कि गत सोमवार को इस बाघ ने एक वनकर्मी गणेश श्यामल पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था और फिर जंगल में भाग गया था। वन विभाग के अनुसार, बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग ने कुलतली के एक सब्जी खेत में दो पिंजरे लगाए थे और उसमें बकरी को चारा के रूप में रखा गया था। तड़के 3.32 बजे बाघ उस चारे के झांसे में आकर पिंजरे में फंस गया। वन विभाग के अनुसार, सबसे पहले बाघ की स्वास्थ्य जांच कराई जाएगी और फिर उसे जंगल में छोड़ने का निर्णय लिया जाएगा।

इधर, बाघ को पकड़ने की खबर मिलते ही सुबह से बड़ी संख्या में लोग खेत में इकट्ठा हो गए, जहां बाघ कैद था। वन विभाग की डीएफओ निशा गोस्वामी ने बताया कि बाघ को सुरक्षित पिंजरे में कैद कर लिया गया है। अब उसकी प्रारंभिक जांच की जाएगी और डॉक्टरों की सलाह के बाद उसे जंगल में छोड़ने का फैसला लिया जाएगा। हालांकि, उसे कहां छोड़ा जाएगा, इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

ईंट भट्ठे में खेलते समय दबे दो बच्चों की मौत पर फूटा लोगों का गुस्सा, पुलिस से भिड़ी उग्र भीड़

बीरभूम : जिले के बोलपुर में ईंट भट्ठे में खेलते समय मिट्टी के नीचे दबने से दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और पुलिस को भी शव ले जाने से रोक दिया। पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार, सोमवार की शाम सिंगी ग्राम पंचायत के बड़ाड़िहा गांव में रॉकी मुर्मू (7) और कंचन सोरेन (8) पास के एक ईंट भट्ठे में खेलने गए थे। वहां ईंट बनाने के लिए खुदी एक गड्ढे में दोनों गिर गए और ऊपर से मिट्टी ढह गई, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में, स्थानीय लोगों ने दोनों बच्चों के शव निकाले और गुस्से में उन्हें बोलपुर-सिंगी सड़क पर रखकर रास्ता जाम कर दिया। देर रात तक चले इस विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क पर भारी जाम लग गया। घटना की सूचना पाकर बोलपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी रिकी अग्रवाल के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा, लेकिन लोगों ने पुलिस को शव उठाने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को घेर लिया और लाठी लेकर विरोध जताने लगे। पुलिस वाहनों को भी रोक दिया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस अधिकारी को हाथ जोड़कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करनी पड़ी। करीब एक घंटे के बाद प्रदर्शनकारियों ने शवों को हटाने की अनुमति दी। ईंट भट्ठा मालिक सुशील राय ने आज कहा कि यह एक दुर्घटना थी, मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है क्योंकि मैं बाहर था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। आज सुबह भी इलाके में तनाव बना हुआ है।

टेट उत्तीर्ण उम्मीदवारों का 'बेकार मेला', चॉप-मुड़ी-घुगनी बेचकर अनोखा प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा

पुस्तक मेला खत्म होते ही अब बेरोजगारों का मेले की शुरूआत हुई है। मंगलवार की दोपहर 12 बजे से 2022 प्राइमरी टेट उत्तीर्ण नौकरी उम्मीदवारों ने सॉल्टलेक में पुस्तक मेला स्थल के पास विकास भवन के पास इंदिरा भवन के सामने एक अनोखा विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इस विरोध में शिक्षित बेरोजगार नौकरी उम्मीदवारों ने टेबल पर चादर बिछाकर प्रतीकात्मक रूप से चॉप, झालमुड़ी, घुगनी और विभिन्न स्टॉल लगाकर बैठकर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री विभिन्न मंचों से यह कह रहे हैं कि उनके पास दस लाख खाली पद हैं, लेकिन बंगाल के योग्य बच्चे काम न मिलने के कारण परेशान हो रहे हैं। उनका आरोप है कि 2022 में टेट उत्तीर्ण उम्मीदवारों को अब तक नौकरी के नियुक्ति पत्र नहीं मिले हैं। जबकि प्राथमिक विद्यालयों में 50 हजार शिक्षक पद खाली हैं। इन खाली पदों पर तुरंत नियुक्ति की मांग को लेकर इस दिन बेरोजगार उम्मीदवारों ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। कोलकाता हाईकोर्ट से अनुमति प्राप्त करके 2022 के प्राइमरी टेट उत्तीर्ण उम्मीदवारों ने इस अनोखे विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है। हालांकि, इस संबंध में शिक्षा विभाग की कोई प्रतिक्रिया अभी तक नहीं मिली है।

अब स्कूल पाठ्यक्रम में होगा नेतृत्व की क्षमता का पाठ, कक्षा 11 में शुरू होगा नया पाठ्यक्रम

कोलकाता, समाज्ञा : स्कूल पाठ्यक्रम में अब छात्रों को नेतृत्व देने की क्षमता का पाठ पढ़ाया जाएगा। छात्रों में नेतृत्व भावना विकसित करने के उद्देश्य से अब कक्षा 11 में यह पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष चिरंजीवी भट्टाचार्य ने स्कूल पाठ्यक्रम में नेतृत्व क्षमता के बारे में घोषणा की है। इस शैक्षिक वर्ष से कक्षा 11 के छात्र दूसरे सेमेस्टर में यह पाठ्यक्रम पढ़ेंगे। नेतृत्व कैसे करना चाहिए और नेतृत्व के प्रकार क्या हैं? इन सबका विवरण पाठ्यक्रम में दिया जाएगा। अच्छे नेता बनने के लिए ईमानदारी, साहस, व्यक्तित्व, अनुभव, बुद्धिमत्ता और अन्य गुणों का होना आवश्यक है। चिरंजीवी भट्टाचार्य ने कहा, अगर किसी छात्र या छात्रा में नेतृत्व की क्षमता नहीं है, तो वह भविष्य में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। चाहे वह निजी क्षेत्र हो, व्यापार हो या स्टार्टअप, हर क्षेत्र में प्रबंधन की क्षमता होनी चाहिए। यही कारण है कि यह पहल पाठ्यक्रम में जोड़ी गई है।

प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी तृणमूल छोड़कर कांग्रेस में करेंगे वापसी, बंगाल की राजनीति में हलचल

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस छोड़कर अब कांग्रेस में वापिस लौटने जा रहे हैं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी। यह खबर सामने आते ही बंगाल की राजनीति में हलचल मच गई है। 5 जुलाई 2021 को पार्थ चटर्जी, सुदीप बंध्योपाध्याय जैसे नेताओं के हाथों तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे अभिजीत और अब लंबा वक्त गुजारने के बाद वह एक बार फिर कांग्रेस में शामिल होने जा रहे हैं। बंगाल की राजनीति में यह कदम खासा महत्व रखता है, खासकर लोकसभा चुनावों से ठीक पहले। बुधवार को अभिजीत का कांग्रेस में वापसी होना तय है। दोपहर 1 बजे विधान भवन में कांग्रस नेताओं के साथ वह कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभांकर सरकार, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव और पश्चिम बंगाल के पर्यवेक्षक विधायक गुलाम अहमद मीर, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव अंबा प्रसाद, आसिफ अली खान और अन्य प्रादेशिक व जिला नेताओं की उपस्थिति रहेगी।

जलाशयों के पास इमारत निर्माण के लिए मछली पालन विभाग की मंजूरी अनिवार्य

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य के कई इलाकों में हाल ही में मकानों के झुकने की घटनाएं सामने आई हैं। इसको लेकर राजनीतिक विवाद भी हुआ है। इसी स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर राज्य के मत्स्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब जलाशय, नहर, तालाब या झीलों के पास किसी भी तरह का निर्माण करने से पहले विभाग की 'एनओसी' (अनापत्ति प्रमाणपत्र) लेना अनिवार्य होगा। बिना इसकी अनुमति के निर्माण को वैध नहीं माना जाएगा।

बता दें कि पहले से ही किसी भी जलाशय को पाटकर बनाए गए भूखंड पर निर्माण के लिए मछली पालन विभाग की अनुमति आवश्यक थी। लेकिन अब इसके साथ-साथ उसके आसपास के क्षेत्र में भी निर्माण करने से पहले विभाग की मंजूरी लेनी होगी। राज्य के मत्स्य मंत्री बिप्लब राय चौधरी ने मंगलवार को कहा कि जिस तरह से इमारतें झुक रही हैं, उसे देखकर ही यह फैसला लिया गया है। मत्स्य विभाग ने निर्देश दिया है कि जिलों में उप-अधिकारियों के नेतृत्व में एक 'टास्क फोर्स' बनाई जाएगी, जो इन इलाकों में निर्माण पर निगरानी रखेगी। यदि किसी भी निर्माण में नियमों का उल्लंघन पाया गया, तो विभाग उसे ध्वस्त करने की कार्रवाई करेगा। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की अनियमित निर्माण गतिविधियां प्राकृतिक संतुलन को नुकसान पहुंचा रही हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

सोनभद्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के दोषी को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा

सोनभद्र (उप्र) : सोनभद्र जिले की एक अदालत ने छह वर्ष पूर्व एक नाबालिग किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनायी है और उसपर 45 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। शासकीय अधिवक्ता दिनेश प्रसाद अग्रहरि ने मंगलवार को बताया कि दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पाक्सो अधिनियम) अमित वीर सिंह ने गाजीपुर जिले के सादात थाना क्षेत्र के निवासी प्रभात कुमार को दोषी पाते हुए 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनायी और उसपर 45 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में सुनवाई टली

प्रयागराज (उप्र) : मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मंगलवार को सुनवाई टाल दी गई और उसकी अगली तिथि पांच मार्च, 2025 तय की गई। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। मंगलवार को मुस्लिम पक्ष द्वारा दाखिल संशोधन के आवेदन पर सुनवाई होनी थी, लेकिन चूंकि इसकी प्रति हिंदू पक्ष को उपलब्ध नहीं कराई गई थी, इसलिए उच्च न्यायालय ने इसे हिंदू पक्ष को उपलब्ध कराने का आदेश दिया और सुनवाई की अगली तिथि पांच मार्च तय की। शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाकर उस जमीन का कब्जा लेने और वहां पर मंदिर बहाल किए जाने की मांग करते हुए 18 मुकदमे दाखिल किये गये हैं। इससे पूर्व, एक अगस्त, 2024 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने हिंदू पक्षों द्वारा दायर इन मुकदमों की पोषणीयता (सुनवाई योग्य) को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि ये मुकदमे समय सीमा, वक्फ अधिनियम और पूजा स्थल अधिनियम, 1991 से बाधित नहीं हैं।

जीवन भर 'वीवीआईपी ट्रीटमेंट' लेने वाले महाकुंभ को लेकर कर रहे हैं दुष्प्रचार: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की ओर से महाकुंभ को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर मंगलवार को कहा कि कुछ लोग इसे 'वीआईपी' स्नान से जोड़कर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन सच यह है कि महाकुंभ समरसता और आस्था का संगम है, जहां जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के भेदभाव को खत्म करके सभी श्रद्धालु एक साथ जुड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की नकारात्मकता फैलाने वाले वही लोग हैं जिन्होंने जीवन भर

अति विशिष्ट व्यक्तियों को मिलने वाली सुविधाएं भोगीं (वीवीआईपी ट्रीटमेंट) हैं और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए एक रास्ता खोलने का प्रयास किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष द्वारा महाकुंभ को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, '' प्रयागराज में 29 दिन में 45 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई है, जो ऐतिहासिक है।'' उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बाद दुनिया के किसी देश की आबादी 45 करोड़ नहीं है, एक अस्थाई शहर में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आकर डुबकी लगाना बड़ी बात है।

महाकुंभ: अंबानी परिवार की चार पीढ़ियों ने संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर : देश के प्रमुख उद्योगपति और 'रिलायंस इंडस्ट्रीज' के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने परिवार की चार पीढ़ियों के साथ मंगलवार को महाकुंभ नगर पहुंचे और उन्होंने सपरिवार संगम में डुबकी लगाई। आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुकेश अंबानी के साथ उनकी पत्नी नीता अंबानी, उनके दोनों बेटे आकाश अंबानी और अनंत अंबानी, आकाश की पत्नी श्लोका अंबानी और उनके बेटे पृथ्वी एवं वेदा, अनंत अंबानी की पत्नी राधिका मर्चेंट भी इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने। इसके अलावा मुकेश अंबानी की मां कोकिलाबेन अंबानी, बहनें नीनाबेन और

दीप्तिबेन, नीता अंबानी की मां पूर्णिमा दलाल और बहन ममता दलाल समेत परिवार के कई अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। बयान के मुताबिक, पूरा अंबानी परिवार मंगलवार को अरैल घाट पर पहुंचा। यहां से क्रूज पर सवार होकर ये सभी लोग त्रिवेणी संगम पहुंचे जहां निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि की उपस्थिति में पूरे परिवार ने स्नान किया। स्नान के बाद पूरे परिवार ने एक साथ संगम पूजन और आरती भी की।

गाय को राष्ट्र माता घोषित के लिए केंद्र को 33 दिनों का समय दिया गया : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

महाकुंभ नगर : ज्योतिष पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने देश में गो हत्या पर प्रतिबंध और गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने पर निर्णय लेने के लिए केंद्र सरकार को 33 दिनों का समय मंगलवार को दिया है। यहां सेक्टर 19 में शंकराचार्य शिविर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए जगद्गुरु शंकराचार्य ने कहा, शास्त्रों में उल्लेख है कि गाय के शरीर में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास है। हम पिछले डेढ़ साल से गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए आंदोलन चला रहे हैं। अब हमने निर्णय लिया है कि माघी पूर्णिमा के अगले दिन (बृहस्पतिवार) से हम 33 दिनों की पदयात्रा निकालेंगे। उन्होंने कहा, यह 33 दिन की यात्रा 17 मार्च को दिल्ली जाकर पूर्ण होगी। केंद्र सरकार के पास निर्णय लेने के लिए 33 दिनों का समय है। यदि वह इन 33 दिनों में कोई फैसला नहीं करती तो हम 17 मार्च को शाम पांच बजे के बाद कोई कड़ा निर्णय लेंगे। इस बीच, मनुस्मृति को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी बारे में पूछे जाने पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर टिप्पणी की जिसके संबंध में परम धर्म संसद में उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया है।

महाकुंभ में हर दिन गंगा-यमुना से 'ट्रैश स्कीमर' मशीनें निकाल रही हैं 10 टन से अधिक कचरा

महाकुंभ नगर (उप्र) : महाकुंभ में गंगा-यमुना को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए 'ट्रैश स्कीमर' मशीनें लगाई गयी हैं, जो हर दिन गंगा-यमुना से 10 से 15 टन कचरा निकाल रही हैं। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार महाकुंभ में गंगा-यमुना को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार प्रतिबद्ध है। आने वाले श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान कर अपने साथ भक्ति के साथ स्वच्छता का भाव भी ले जाएं, इसके लिए प्रयागराज नगर निगम मुख्यमंत्री की दिशादृष्टि को साकार करने में लगा

हुआ है। बयान के मुताबिक निगम न केवल श्रमिकों के माध्यम से, बल्कि आधुनिक तरीके से भी गंगा-यमुना के संगम को स्वच्छ बनाने का काम हो रहा है। इसके लिए बकायदा 'ट्रैश स्कीमर' मशीनें लगाई गई हैं। ये मशीनें हर दिन गंगा-यमुना से 10 से 15 टन कचरा निकाल रही हैं।

न्यूज अपडेट

सपा प्रतिनिधिमंडल ने कुशीनगर में मदनी मस्जिद स्थल का निरीक्षण किया, पार्टी प्रमुख को सौंपेगा रिपोर्ट

गोरखपुर, (उप्र) : उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी (सपा) के 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मदनी मस्जिद स्थल का निरीक्षण करने के लिए मंगलवार को कुशीनगर जिले के हाटा का दौरा किया। मस्जिद का एक हिस्सा प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया है। हाटा के दौरे में प्रतिनिधिमंडल विस्तृत जानकारी जुटाकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को एक रिपोर्ट सौंपेगा। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मंत्री ब्रह्मशंकर त्रिपाठी, राधेश्याम सिंह और पूर्व सांसद बालेश्वर यादव जैसे वरिष्ठ सपा नेता शामिल थे। यह दौरा जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा भारी सुरक्षा के बीच मस्जिद में विध्वंस अभियान चलाने के दो दिन बाद हुआ है। अधिकारियों ने दावा किया कि ध्वस्त किया गया ढांचा अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बनाया गया था, जबकि मस्जिद समिति ने इस कार्रवाई को उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन बताया। समिति ने आरोप लगाया कि विध्वंस अदालत के स्थगन आदेश के बावजूद हुआ। समिति ने कहा कि नौ फरवरी की सुबह बुलडोजर पहुंचे और बिना किसी पूर्व सूचना के मस्जिद संरचना के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। समिति ने अधिकारियों से जवाबदेही और मस्जिद के पुनर्निर्माण की अनुमति की मांग की है। लाल बिहारी यादव ने दावा किया कि मस्जिद कानूनी रूप से पंजीकृत भूमि पर थी। प्रशासन के दावों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि जमीन अवैध नहीं है।

महाकुंभ: भगदड़ के लिए जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई का अनुरोध करते हुए न्यायालय में याचिका दायर

प्रयागराज : महाकुंभ मेले में इसी साल 29 जनवरी को हुई भगदड़ के संबंध में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक और जनहित याचिका दायर की गई है जिसमें इस घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर इस याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को इस घटना पर एक समग्र स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने और भगदड़ में हुई मौत की संख्या जारी करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री में दायर इस याचिका पर जल्द ही सुनवाई किए जाने की संभावना है। याचिकाकर्ता ने अपनी जनहित याचिका में भारी भीड़ में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोकने के लिए दिशानिर्देश बनाने और उसे लागू करने के लिए उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित किए जाने का भी अनुरोध किया है।

भीड़ के कारण ट्रेन में नहीं चढ़ पाने से आक्रोशित लोगों ने ट्रेन के एसी कोच के शीशे तोड़े

मधुबनी : महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की भीड़ के कारण बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर कथित तौर पर ट्रेन में नहीं चढ़ पाने से आक्रोशित लोगों ने स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के वातानुकूलित (एसी) डिब्बे के शीशे तोड़ दिये। पुलिस ने यह जानकारी दी। बिहार पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ''10 फरवरी की शाम मधुबनी रेलवे स्टेशन पर कुछ यात्रियों द्वारा स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के एसी डिब्बे के शीशे तोड़े जाने की सूचना प्राप्त हुई।'' बयान में कहा गया कि सूचना प्राप्त होते ही पुलिस तत्काल रेलवे स्टेशन पर पहुंची जहां स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस जयनगर से

प्रयागराज जाने के क्रम में मधुबनी रेलवे स्टेशन पर रुकी। इसमें कहा गया, ''ट्रेन में यात्रियों की भीड़ के कारण एक एसी डिब्बे में बैठे यात्री दरवाजा नहीं खोल रहे थे जबकि प्लेटफॉर्म पर मौजूद कुछ यात्रियों का उसी डिब्बे में आरक्षण था। धक्का-मुक्की एवं भाग-दौड़ के क्रम में कुछ डिब्बे के शीशे टूट गये। इस संदर्भ में रेल पुलिस कार्रवाई कर रही है।''

गीता प्रेस ने 87 वर्षों बाद 'श्री कृष्ण लीला दर्शन' का पुनर्मुद्रण किया, रंगीन चित्र हैं उसमें

गोरखपुर, (उप्र) : गोरखपुर के विश्व प्रसिद्ध गीता प्रेस ने 87 वर्षों के बाद प्रतिष्ठित पुस्तक 'श्रीकृष्ण लीला दर्शन' को पुनः प्रकाशित किया है, जो मूल रूप से 1938 में छपी थी। गीता प्रेस प्रबंधन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि उच्च गुणवत्ता वाले 'आर्ट पेपर' पर मुद्रित नए संस्करण में पहली बार जीवंत रंग चित्रण शामिल है, जो भगवान कृष्ण की दिव्य लीलाओं को एक आकर्षक तरीके से जीवंत करता है। गीता प्रेस के अधिकारियों ने कहा कि कुल 3,000 प्रतियां छापी गई हैं, जिनमें से 50 नेपाल भेजी गई हैं। संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी द्वारा लिखित यह पुस्तक भगवान कृष्ण की बचपन का लीलाओं का विस्तार से वर्णन करती है। पहला संस्करण 1938 में छपा था और तब उसकी कीमत मात्र 2.50 रुपये थी। गीता प्रेस के प्रबंधक लालमणि तिवारी ने बताया कि इस बार, उच्च-गुणवत्ता वाली छवियों को शामिल करके इसकी अपील को बढ़ाया है, जिससे पाठकों के लिए कथन अधिक प्रभावशाली हो गया है। उन्होंने कहा कि 256 पृष्ठों वाली यह पुस्तक कृष्ण के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों, उनके जन्म से लेकर उनके चंचल बचपन के प्रसंगों को शब्दों और उत्कृष्ट कलाकृति दोनों के माध्यम से चित्रित करती है। तिवारी ने कहा कि पिछले संस्करणों के विपरीत, जो पूरी तरह से पाठ-आधारित थे, यह सचित्र संस्करण युवा पाठकों और भक्तों को समान रूप से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

एक बार ढोलकपुर जंगल में शीरो नाम का एक साँप रहता था। शीरो साँप बहुत छोटा और दुबला-पतला था। उसके दोस्त उसे हवा-हवा कह कर चिढ़ाते रहते थे। दोस्तों का चिढ़ाना शीरो को खराब तो बहुत लगता, लेकिन वो उनका कुछ कर भी नहीं सकता था। क्योंकि शीरो था बहुत दुबला और पतला। तभी शीरो ने अपने मन में ठाना कि अब वो खूब खाएगा। और तब तक खाता रहेगा जब तक मोटा-तगड़ा न हो जाए। बस यही सोच कर शीरो खाना खाना शुरू करता है। उसे खाने में जो भी मिलता वो बिना किसी न-नुकुर के उसे खा लेता। अब शीरो को खाना इतना पसंद आने लगा कि वो अब जिसके पास भी खाना देखता तो उसे डरा कर उसका खाना ले लेता फिर उसे खुशी-खुशी खाता।

इस तरह से खूब खाना खा-खा कर अब शीरो धीरे-धीरे मोटा होने लगा। अब शीरो जब भी अपने दोस्तों के पास जाता तो उसके दोस्त उसे देखते ही वहाँ से जोर से भागते। अब उसके दोस्तों को शीरो से डर लगने लगा था। क्योंकि एक दिन जब शीरो अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था तब खेल-खेल में शेरो की अपने दोस्तों से लड़ाई हुई फिर शीरो साँप ने उन्हें ऐसे डराया कि कोई भी उसके आस-पास नहीं दिखा। ये सब देख कर शीरो को बहुत खुशी हुई। वो अब खुद को बहुत ताकतवर समझने लगा। अब शीरो इस बात का फायदा उठाने लगा। वो अब जिसके पास भी खाना देखता तो उसको अपनी ताकत से डराता और उससे खाना ले लेता। इस तरह से दूसरों पर अपनी ताकत का डर दिखा-दिखा कर और उनका खाना खा खा कर अब शीरो हो गया था बहुत मोटा। इतना मोटा कि अब वो अपने घर के अंदर भी नहीं जा पा रहा था। फिर शीरो ने सोचा क्यों न नया घर बनाया जाए। लेकिन इतनी मेहनत करे कौन। अब तो पूरे ढोलकपुर के जानवर मुझसे डरते है। चलो उन्हीं मे से किसी को डरा कर उनका घर ले लेता हूँ। और फिर ये सोचते हुए शीरो नए घर कि तलाश के लिए निकलता है।

सबसे पहले वो मोंटी बंदर के घर जाता है। मोंटी बंदर शीरो साँप को अपने सामने देख कर डर जाता है और डरते हुए उससे पूछता है, क्या हुआ शीरो भाई, यहाँ क्यों आए हो। तभी शीरो बोलता है, तुम जाओ यहाँ से। आज से ये मेरा घर है। अब मैं इसमे रहूँगा। शीरो कि बात सुन कर मोंटी बंदर तुरंत अपना सामान लेता है और कहता है, अरे शीरो भाई आज से ये आपका ही घर है। ऐसा कहते हुए वहाँ से निकलता है और खुद से मोंटी बंदर कहता है भैया कौन उलझे इनसे। जान बची लाखों पाए। जाता हूँ और बढ़ियाँ से घर बनाता हूँ। इधर शीरो मोंटी बंदर के घर जाते ही तुरंत बाहर निकलते हुए बोलत है, अरे-मोंटी बंदरक घर है तो बड़ा, लेकिन खाने का कुछ भी नहीं है इसके पास। फिर शीरो कोई दूसरा घर देखने लगता है। तभी उसे सोना चींटी का घर दिखाई देता है।

शीरो सांप उसके घर जाता है और उससे कहता है कि बाहर निकलो, अब वो उस घर में रहेगा। लेकिन सोना चीटीं मोंटी बंदर कि तरह उससे डरती नहीं बल्कि अपने सभी साथियों को बुलाती है और शीरो से कहती है कि ये घर मेरा है। अगर तुम मेरे घर आए तो हम सब तुम्हें काट लेंगे। खूब सारी चिटइयों को अपने सामने देख कर शीरो बहुत डर जाता है, उसे लगता है कि कहीं सब चीटीं मिल कर उसे काट न ले। ये सब देखते हुए वो सोना चीटीं से कहता है कि अच्छा मुझे नहीं चाहिए तुम्हारा घर। मैं कहीं ओर अपना घर बना लूँगा। और ऐसा कहते हुए शीरो साँप जोर से वहाँ से भागता है। इधर सोना चीटीं की सभी मिलकर खूब तारीफ करते हैं।

मोरल- हमें कभी भी अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। हमेशा सबसे मिलकर रहना चाहिए।

राजा और गमले की कहानी

एक बार की बात है, एक राजा था। वो अब बूढ़ा हो चुका था। उसको बस अब आराम करना था। इसके लिए उसने अपना उत्तराधिकारी बनाने की योजना बनाई। फिर एक दिन उसने अपने राज्य में एक सभा बुलाई। जिसमे राज्य के सभी लोगों को आने को कहा। राजा का आदेश सुनकर राज्य के सभी लोग उस सभा मे शामिल हुए। फिर राजा ने सबसे कहा है कि वह अब राज्य के ही किसी अन्य व्यक्ति को राजा बनाना चाहता है। राजा की बात सुनकर सभी लोग खुश हो गए। तभी राजा ने सबसे फिर कहा कि मैं आप सबको एक-एक गमला दे रहा हूँ।

इस गमले में मैंने बीज डालकर रखा है। जो भी व्यक्ति इस बीज से फूलों का पौधा उगाएग, वह ही व्यक्ति अगला राजा बनेगा और इस काम के लिए राजा ने सभी को एक हफ्ते का समय दिया। एक हफ्ते बाद फिर से सभा होती है। राज्य के हर व्यक्ति के हाथों मे फूलों वाला गमला होता है, सिवाय एक छोटी लड़की के। उसके हाथ में सिर्फ मिट्टी वाला ही गमला होता है। राजा जैसे ही उस छोटी लड़की को देखता है उसे अपने पास बुलाता है और सबसे कहता है कि अब से उसका राज्य यही छोटी लड़की संभालेगी। सारे लोग राजा पर गुस्सा करने लगते हैं। तभी राजा कहता है कि मैंने जो बीज वाला गमला आप सब को दिया था, उससे कोई भी पौधा नहीं उग सकता था। लेकिन आप सबने अपनी तरफ से फूलों वाला पौधा लगाया। सिर्फ इस बच्ची ने ईमानदारी दिखाई। इसलिए मेरे राज्य को अब यही बच्ची संभालेगी। राजा की बात सुनकर सभी को अपने किए पर शर्म आती है और बिना कुछ कहे वहाँ से चले जाते हैं।

मोरल- : चाहे फायदा कितना भी बड़ा क्यों ना हो, हमें हमेशा ईमानदारी से काम करना चाहिए। भविष्य में आगे चल कर हमें इसका फायदा जरूर मिलता है।

बन्दर का जादू

चिंकी बन्दर जंगल में दिन रात उछल कूद करता रहता था। जंगल में उसे बहुत कम खाना मिल पाता था। जिससे वह बहुत परेशान था।

चिंकी बन्दर दिन भर सोता रहता था। एक दिन उसकी पत्नी पिंकी बन्दरिया ने कहा – 'सुनो जी कुछ ऐसा करो कि हमें भरपेट खाना मिल सके।'

चिंकी बन्दर ने कहा – 'मैं क्या करूं ये भोलू हाथी सारे केले खा जाता है। अगर में गलती से एक दो केले ले भी लूं, तो वह पूरा पेड़ हिला कर मुझे नीचे गिरा देता है। दो दिन पहले बड़ी मुश्किल से मैंने अपनी जान बचाई थी।'

चिंकी बन्दर का एक छोटा सा बच्चा भी था। दोंनो को उसके खाने की चिंता भी रहती थी।

एक दिन चिंकी बन्दर ने कहा – 'सुन पिंकी मैं सोच रहा हूं। शहर चला जाता हूं। सुना है वहां बहुत सा खाना मिल जाता है। अगर सब ठीक रहा तो मैं वापस आकर तुम दोंनो को भी ले जाउंगा।'

अगले दिन चिंकी बन्दर शहर पहुंच जाता है। वहां उसे बहुत अच्छा खाना मिलने लगता है। कभी किसी की छत पर कभी रास्ते पर वह फल और खाने का सामान उठा कर भाग लेता था।

एक दिन चिंकी बन्दर एक जगह पर बैठा आराम कर रहा था। तभी उसने देखा कि एक जादूगर जादू दिखा रहा है। जिसे देख कर सब लोग ताली बजा रहे थे और जादूगर को बहुत से पैसे दे रहे थे।

चिंकी बन्दर को यह काम बहुत पसंद आया। उसने सोचा क्यों न मैं जादू सीख जाउं, तो जंगल के जानवर मुझे भी खाना लाकर ले दिया करेंगे और मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

अब चिंकी बन्दर दिन में जादू के करतब सीखने लगा। धीरे धीरे उसे सब पता लग गया कि कैसे जादू दिखाया जा सकता है।

जादूगर के पास बहुत सा सामान था। एक दिन रात के समय चिंकी बन्दर ने जादूगर का कुछ सामान चुरा कर एक पोटली में बांध लिया। जाते समय उसने उसकी टोपी भी चुरा ली और गांव की ओर चल दिया।

गांव पहुंच कर उसने अपनी पत्नी पिंकी से कहा – 'अब देख मैं क्या करता हूं। बस तू ये टोपी और कपड़े मेरे हिसाब से सही कर दे, फिर देखना हमें कभी भी खाने की कमी नहीं होगी।'

पिंकी बन्दरिया ने कपड़े छोटे कर दिये और टोपी भी छोटी कर दी। अगले दिन चिंकी बन्दर ने सभी जानवरों को जादू दिखाने के लिये बुलाया।

चिंकी बन्दर तैयार होकर हाथ में एक डंडा लेकर जादू दिखाने लगा। जंगल के भोले भाले जानवर उसके जादू को देख कर आश्चर्यचकित रह गये।

चिंकी बन्दर ने एक मेज में बीच में सुराख कर रखा था। उसने उस पर एक कपड़ा बिछा दिया था। जो कि बीच में से फटा हुआ था। चिंकी बन्दर ने कहा – 'भोलू हाथी अपने केले यहां रखो मैं जादू से आधे केले गायब कर दूंगा।'

भोलू हाथी ने कुछ केले रख दिये। इधर उसने पिंकी बन्दरिया को सब समझा दिया था। वह मेज के नीचे बैठ गई और जैसे ही चिंकी ने केलों पर कपड़ा ढका। उसने मेज के सुराख से आधे केले निकल लिये।

चिंकी ने कपड़ा हटाया तो वहां आधे ही केले थे। यह देख कर सब ताली बजाने लगे। चिंकी बन्दर ने कहा – 'मैं किसी का भी खाना गायब कर सकता हूं। अगर तुम सब अपना खाना बचाना चाहते हो, तो हर दिन मुझे अपने खाने का आधा दे जाया करो।'

यह सुनकर सभी जानवर डर गये। अगले दिन से सब अपना आधा खाना चिंकी बन्दर के पास रख जाते थे।

चिंकी, पिंकी और उनके बच्चे के मजे आ गये। तीनों मिल कर मजे से खाना खाते। चिंकी दिन भर सोता रहता था।

इसी तरह समय बीत रहा था। लेकिन जंगल के जानवर बहुत परेशान थे। वे बड़ी मुश्किल से खाना इकट्ठा करते और आधा खाना उन्हें चिंकी को देना पड़ता था।

एक दिन शहर से मिट्ठू तोता अपने घर आया। वह शहर में एक सरकस में काम करता था। शहर से वह बहुत सा सामान लाया था। उसने अपने घरवालों को सारा सामान दिया और अपने दोस्तों से मिलने जंगल में चला गया।

जंगल के जानवरों ने उसे सारी बात बता दी। यह सुनकर मिट्ठू तोते ने कहा –'वह तुम सब को बेवकूफ बना रहा है। हमारे सरकस में भी जादू होता है। लेकिन खाना गायब नहीं होता उसे तो छिपा दिया जाता है। तुम उससे एक बार फिर से यह करतब दिखाने को कहो। मैं उसका भांडा फोड़ दूंगा।'

भोलू हाथी को बहुत गुस्सा आया वह बाकी जानवरों के साथ चिंकी बन्दर के पास पहुंचा और बोला –'जादूगर भाई हमें एक बार फिर से अपना जादू दिखा दो।'

चिंकी बन्दर बोला –'अभी तो मेरे सोने का समय है कल इसी समय आ जाना।'

अगले दिन सभी जानवर मैदान में इकट्ठा हो गये। भोलू हाथी ने कहा –'भाई उस दिन की तरह मेरे आधे केले गायब करके दिखाओ।''

चिंकी बन्दर ने कहा –'अरे इसमें कौन सी बड़ी बात है लाओ केले दो।'

भोलू हाथी ने केले मेज पर रख दिये। दूर पेड़ पर बैठ कर मिट्ठू तोता यह सब देख रहा था। जैसे ही चिंकी बन्दर ने केलों पर कपड़ा ढका और डंडे घुमा कर जादू करने लगा। मिट्ठू तोता कपड़ा लेकर उड़ गया।

सबने देखा कि पिंकी बन्दरिया। मेज के नीचे बैठ कर मजे से केले खा रही थी। सभी को चिंकी की चालाकी के बारे में पता लग गया। चिंकी बन्दर को भोलू हाथी ने अपनी सूंड से उठा लिया। वह डर के मारे कांपने लगा।

भोलू हाथी ने कहा–'अब तुझे सारा दिन जंगल से खाना इकट्ठा करके हमें देना होगा। बहुत दिन आराम कर लिया अब तुम दोंनो सभी जानवरों के लिये खाना इकट्ठा करो, नहीं तो मै तुझे कुचल कर रख दूंगा।'

चिंकी बन्दर ने माफी मांगी और अगले दिन से वह खाना इकट्ठा करने लगा था। साथ में पिंकी बन्दरिया भी उसकी मदद करती थी।

न्यूज इन ब्रीफ

छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा में 47 प्रतिशत की कमी आई: सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2010 की तुलना में 2024 के दौरान नक्सली हिंसा की घटनाओं में 47 प्रतिशत की कमी आई तथा ऐसी हिंसा के कारण आम लोगों और सुर-क्षाकर्मियों की मौत के मामलों में 64 प्रतिशत की कमी देखी गई है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''राज्य में 2024 में वामपंथी उग्रवाद हिंसा के 267 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2010 में 499 मामले दर्ज किए गए थे।'' उन्होंने कहा कि आम नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में भी 2010 की तुलना में 64 प्रतिशत की गिरावट आई। वर्ष 2024 में 122 मौतें हुईं जबकि 2010 में 343 ऐसी मौतें दर्ज की गई थीं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से 8.86 लाख परिवारों को फायदा हुआ: श्रीपद नाइक

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक ने मंगलवार को कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) के तहत कुल 8.86 लाख परिवारों को फायदा हुआ है, जिसका उद्देश्य छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने को बढ़ावा देना है। पीएमएसजीएमबीवाई दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू 'रूफटॉप' सौर पहल है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री नाइक ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 'रूफटॉप' सौर संयंत्र लगाने से कुल 8.86 लाख परिवार लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि छह फरवरी तक योजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर कुल 1.71 करोड़ पंजीकरण और 45.15 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। मंत्री द्वारा उच्च सदन में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, छह फरवरी तक इस योजना के तहत अरुणाचल प्रदेश में कोई भी परिवार लाभान्वित नहीं हुआ है, जबकि सिक्किम (4), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (5) और नगालैंड (7) में एकल अंक में परिवार लाभान्वित हुए है।

यमुना प्रदूषण: न्यायालय ने नालों के पानी को शोधित करने में विफल रहने पर उप्र जल निगम को फटकार लगाई

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने 38 नालों के पानी को शोधित करने के लिए कदम उठाने में विफल रहने पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश जल निगम को फटकार लगाई। नालों के पानी के शोधित न होने के चलते अशोधित जलमल सीधे यमुना में बह रहा है। अपने आदेश का अनुपालन न होने से नाराज न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने निकाय के प्रबंध निदेशक को वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश होने और चूक का कारण बताने का निर्देश दिया। पीठ ने मामले की अगली सुनवायी की तिथि 18 मार्च करना निर्धारित करते हुए कहा, हमने पाया कि 25 नवंबर, 2024 के आदेश का कोई अनुपालन नहीं हुआ है। हम उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक को सुनवाई की अगली तारीख से एक सप्ताह पहले व्यक्तिगत रूप से अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हैं।

अवैध धार्मिक ढांचों के खिलाफ 458 नोटिस जारी किए : गुजरात सरकार

अहमदाबाद :गुजरात सरकार ने मंगलवार को उच्च न्यायालय को बताया कि उसने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर स्थित अनधिकृत धार्मिक ढांचों को 458 नोटिस जारी किए हैं। मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल की खंडपीठ ने एक आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने दिशा-निर्देशों को लागू करने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं और सार्वजनिक सड़कों, सार्वजनिक पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत धार्मिक ढांचों के निवासियों को 458 नोटिस जारी किए हैं। सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया कि जनता में जागरूकता फैलाने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों में 2,607 नोटिस प्रकाशित किए गए और सार्वजनिक स्थानों से अनधिकृत धार्मिक ढांचों को हटाने के लिए स्थानीय धार्मिक प्रमुखों को जागरूक किया गया।

मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध: अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के लिए यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को कड़ी निगरानी, सीमा ग्रिड को मजबूत करने और निगरानी तथा सरहद की हिफ़ाज़त के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ पूरी तरह से रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को केंद्र शासित

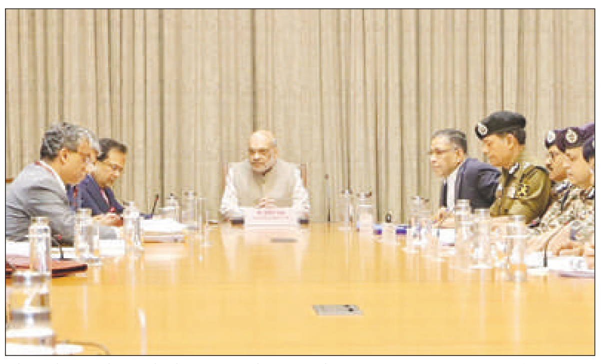

प्रदेश में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ तालमेल जारी रखने का भी निर्देश दिया। गृह मंत्री ने सीआरपीएफ की शीतकालीन कार्य योजना की समीक्षा की और सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि क्षेत्र में वर्चस्व में कोई कमी न रहे तथा जम्मू क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करें और ऊंचे स्थानों पर अपना दबदबा बनाए रखें। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार 'आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर' के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आतंक मुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अर्धसैनिक बलों की भूमिका पर बल दिया। गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे खुफिया तंत्र की भी समीक्षा की और उन्हें गुणवत्तापूर्ण खुफिया जानकारी उत्पन्न करने के लिए कवरेज और पैठ बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने ख़ुफ़िया जानकारी उत्पन्न करने के लिए प्रौद्योगिकी के महत्व को दोहराया।

बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में नवाचार और मजबूत साझेदारी की जरूरत: राजनाथ सिंह

बेंगलुरु : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में नवोन्मेषी दृष्टिकोण और मजबूत साझेदारी की जरूरत है। एयरो इंडिया 2025 के तहत आयोजित रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि कमजोर रहकर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांति सुनिश्चित नहीं की जा सकती। सिंह ने कहा, ''आज, संघर्षों की बढ़ती संख्या हमारे विश्व को और अधिक अप्रत्याशित स्थान बना रही है। वर्चस्व की नयी लड़ाई, हथियार निर्माण के नए तरीके एवं साधन, सरकार से इतर तत्वों की बढ़ती भूमिकाएं तथा विघटनकारी प्रौद्योगिकियों ने विश्व व्यवस्था को और अधिक नाजुक बना दिया है।'' उन्होंने कहा कि साथ ही, सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा के

बीच का अंतर कम होता जा रहा है, क्योंकि 'हाइब्रिड' युद्ध (युद्ध का अपारंपरिक तरीका, जिसमें किसी विरोधी देश की सरकार को अस्थिर करने और कमजोर करने के लिए कूटनीति, राजनीति, मीडिया, साइबरस्पेस और सैन्य बल का प्रयोग किया जाता है) शांति काल में भी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकता है। सिंह ने कहा, ''आज अग्रिम मोर्चे की परिभाषा तेजी से बदल रही है। इसके अलावा, साइबरस्पेस और बाहरी अंतरिक्ष के आयाम संप्रभुता की स्थापित परिभाषा को चुनौती दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में नवीन दृष्टिकोण और मजबूत सा-झेदारी की आवश्यकता है। वैश्विक मंच पर भारत की भागीदारी सभी के लिए सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है।'' अधिकारियों के अनुसार, 'हाइब्रिड मोड' (भौतिक व डिजिटल माध्यम से भागीदारी) में आयोजित रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस वर्ष का विषय 'बिल्डिंग रेजिलिएंस थ्रू इंटरनेशनल डिफेंस एंड ग्लोबल इंगेजमेंट (ब्रिज)' है, जो रक्षा क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला में लचीलापन और रणनीतिक सहयोग के महत्व को रेखांकित करता है।

मैं महाकुंभ गई हूं, वहां सब ठीक है: हेमा मालिनी

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन की व्यवस्था से जुड़े विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि वहां सबकुछ

ठीक है और वह खुद वहां जाकर यह देख चुकी हैं। उन्होंने बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत से अब यमुना नदी की सफाई को लेकर उम्मीद की किरण दिख रही है। हेमा मालिनी ने कहा, ''यह (यमुना की सफाई) मोदी की गारंटी है।'' उत्तर प्रदेश के मथुरा से सांसद हेमा ने कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश से सांसद हूं, जहां भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा का महाकुंभ चल रहा है।'' उन्होंने कहा कि वह महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताती हैं। मशहूर अभिनेत्री ने विपक्षी सदस्यों की टोका-टोकी के बीच कहा, ''वहां सबकुछ ठीक है, मैं वहां गई हूं।'' उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार में देश बड़े निर्णयों और नीतियों को लागू होते देख्र रहा है। इनमें युवाओं, महिलाओं और किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल रही है।''

शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, यूनानी पद्धति में दवाओं के उत्पादन के मामले में भारत अग्रणी: मुर्मू

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि भारत शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा और यूनानी चिकित्सा पद्धति में दवाओं के उत्पादन के मामले में दुनिया में अग्रणी है। मुर्मू ने यूनानी दिवस पर यहां ''एकीकृत स्वास्थ्य समाधान के लिए यूनानी चिकित्सा में नवाचार – एक नई दिशा'' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह हकीम अजमल खान को याद करने का मौका है, जिनके सम्मान में 2016 से इस दिन को यूनानी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि खान ने भारत में यूनानी चिकित्सा पद्धति का प्रसार किया और नवाचार के कई उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों के कारण देश

में यूनानी चिकित्सा पद्धति को व्यापक रूप से अपनाया गया। राष्ट्रपति ने यूनानी चिकित्सा पद्धति से जुड़े शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के आधुनिक पद्धतियों और प्रौद्योगिकी के उपयोगी पहलुओं को अपनाने के लिए खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''हमारे देश ने स्वास्थ्य के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों को उचित सम्मान देकर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।''

न्यूज अपडेट

विदेश से 3,000 किलोग्राम से ज्यादा चांदी की तस्करी के 33 साल पुराने मामले में नौ लोगों को कारावास

इंदौर (मध्यप्रदेश) : वर्ष 1992 में विदेश से 3,000 किलोग्राम से ज्यादा चांदी की तस्करी करने के मामले में इंदौर की जिला अदालत ने मंगलवार को नौ लोगों को दो-दो साल के सश्रम कारावास की सजा सुनायी और उनपर 5,000-5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट जय कुमार जैन ने इस मामले में नौ लोगों को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के संबद्ध प्रावधानों के तहत दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। इनमें ओमप्रकाश नीमा, नितिन कुमार सोनी, अमरीक सिंह, शशिपाल मिश्रा, अमन सोनी, मधुसूदन मिश्रा, सुरेश, दिनेश कतलाना और अमरलाल शामिल हैं। अदालत ने निर्देश भी दिया कि मुजरिमों के कब्जे से जब्त चांदी की खेप को भारतीय रिजर्व बैंक के जरिये राजसात (सरकारी खजाने में जमा करना) किया जाए। अधिकारी ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इंदौर के सांवेर रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में 27 फरवरी 1992 को 3,041.50 किलोग्राम विदेशी चांदी पकड़ी थी। उन्होंने बताया कि मुजरिमों पर तस्करी के जरिये चांदी की इस खेप को भारत लाने के बाद इसे सुनियोजित तरीके से गलाकर इसका परिवहन करने, इसे अवैध रूप से अपने कब्जे में रखने और सीमा शुल्क की चोरी करने के जुर्म साबित हुए। केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क विभाग की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक चंदन ऐरन ने अदालत में इन लोगों के खिलाफ छह गवाह पेश किए।

युद्धक टैंक इंजन, जलपोत इंजन के निर्माण, विपणन के लिए बीईएमएल की एसटीएक्स इंजन के साथ साझेदारी

बेंगलुरु : रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम बीईएमएल लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने युद्धक टैंक इंजन, जलपोत इंजन, पुर्जे आदि के सह-विकास, निर्माण और विपणन के लिए जानीमानी दक्षिण कोरियाई कंपनी एसटीएक्स इंजन के साथ एक रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं। बीईएमएल लिमिटेड ने कहा कि इस समझौते में मित्र देशों को निर्यात के अवसरों की तलाश करते हुए भारतीय रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए इंजन घटकों की सर्विसिंग और रखरखाव भी शामिल है। 'एयरो इंडिया 2025' में दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में बीईएमएल लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) शांतनु रॉय और एसटीएक्स इंजन के अध्यक्ष और सीईओ सांगसू ली के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। रॉय ने कहा, हमारी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को एसटीएक्स इंजन की उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य नवाचार को बढ़ावा देना, आयात निर्भरता को कम करना और एक मजबूत घरेलू विनिर्माण ढांचे का निर्माण करना है।

महाकुंभ से लौट रहे नौ लोगों की मध्य प्रदेश में दो सड़क दुर्घटनाओं में मौत

जबलपुर/मैहर : मध्यप्रदेश के जबलपुर और मैहर जिलों में मंगलवार सुबह दो सड़क दुर्घटनाओं में प्रयागराज के महाकुंभ से लौट रहे नौ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया और लोगों से अपील की कि वे ऐसे स्थानों की यात्रा करते समय खुद को जरूरत से ज्यादा न थकाएं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपने वाहन चालकों को इस तरह की दुर्घटनाओं से बचने के लिए पर्याप्त आराम और नींद लेने का मौका दें। जिलाधिकारी दीपक कुमार सक्सेना ने 'पीटीआई-

भाषा' को बताया कि जबलपुर में सिहोरा कस्बे के पास सुबह करीब साढ़े आठ बजे सीमेंट से लदे एक ट्रक ने एक मिनी बस को टक्कर मार दी, जिससे प्रयागराज (उत्तर प्रदेश में) से तेलंगाना लौट रहे इस वाहन में सवार सात लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मिनी बस में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि ट्रक गलत दिशा से राजमार्ग पर जा रहा था, जिससे यह दुर्घटना हुई।

लॉटरी वितरकों को केंद्र को सेवा कर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं : न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र और इसके राजस्व विभाग की याचिकाओं को खारिज कर दिया तथा कहा कि लॉटरी टिकटों के प्रचार, विपणन या बिक्री पर सेवा कर नहीं लगाया जा सकता। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने कहा, ''भारत संघ और अन्य द्वारा दायर अपील में कोई दम नहीं है। इसलिए इन अपील को खारिज किया जाता है। करदाता द्वारा दायर अपील का तदनुसार निपटारा किया जाता है।'' सिक्किम उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए 120 पृष्ठों का फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति नागरत्ना ने वित्त कानून, इसके संशोधनों और मामले के इतिहास पर चर्चा की। न्यायाधीश ने कहा, ''हमने पाया है कि प्रत्येक स्तर पर लॉटरी टिकटों के एकमात्र वितरक/खरीदार (प्रतिवादी-करदाता) पर सेवा कर लगाने के लिए वित्त अधिनियम, 1994 में किए गए संशोधन असफल रहे हैं।'' न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि क्योंकि प्रतिवादी-करदाता द्वारा सिक्किम सरकार के लिए कोई एजेंसी या एजेंट के रूप में कोई सेवा प्रदान नहीं की गई है, इसलिए लॉटरी टिकटों के खरीदार (प्रतिवादी-करदाता) और सिक्किम सरकार के बीच हुए लेन-देन पर सेवा कर नहीं लगाया जा सकता।

सरकार नया आव्रजन एवं विदेशी विधेयक तैयार कर रही

अस्पतालों, विश्वविद्यालयों की भूमिका निर्दिष्ट होगी

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार द्वारा नियोजित नया कानून लागू होने पर पासपोर्ट और वीजा से संबंधित मामलों के साथ-साथ विदेशियों को प्रवेश देने वाले अस्पतालों, अन्य चिकित्सा संस्थानों और विश्वविद्यालयों की भूमिका भी निर्दिष्ट की जाएगी। संसद के चालू बजट सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा आव्रजन और विदेशी विधेयक, 2025 पेश किए जाने की संभावना है। यह मौजूदा कानूनों – पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920, विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम, 1939, विदेशी अधिनियम, 1946 और आव्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम, 2000 को समाप्त करने के बाद लागू होगा। आव्रजन और विदेशी विधेयक, 2025 के उद्देश्यों एवं कारणों के विवरण के अनुसार, यह आव्रजन से संबंधित मामलों, अर्थात् आव्रजन अधिकारियों के कार्यों, पासपोर्ट और वीजा की आवश्यकता तथा अन्य मामलों का प्रावधान करता है। इसमें विदेशियों और उनके पंजीकरण से संबंधित मामलों, किसी विदेशी को प्रवेश देने वाले विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के दायित्व से संबंधित प्रावधानों, विदेशियों को प्रवेश देने वाले अस्पतालों, नर्सिंग होम या किसी अन्य चिकित्सा संस्थान के दायित्व से संबंधित प्रावधानों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

जेईई-मेन परिणाम : परीक्षा के पहले संस्करण में 14 छात्रों ने सर्वोच्च 'स्कोर' हासिल किया

नयी दिल्ली : इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन 2025 के पहले संस्करण में देशभर के 14 छात्रों ने सर्वोच्च 'स्कोर' हासिल किया है। इनमें से अधिकतर छात्र राजस्थान से हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। सर्वोच्च 'स्कोर' हासिल करने वाले 14 छात्रों में से 12 सामान्य श्रेणी से हैं, जबकि एक-एक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अनुसूचित जाति (एससी) से हैं। इनमें 13 छात्र और एक छात्रा शामिल है। एनटीए ने बताया कि 39 अभ्यर्थियों के अंक घोषित नहीं किए गए हैं, क्योंकि वे अनुचित साधनों के इस्तेमाल में लिप्त पाए गए थे। इस महत्वपूर्ण परीक्षा के पहले संस्करण में 12.58 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। सर्वोच्च 'स्कोर' हासिल करने वाले छात्रों में से पांच राजस्थान से, दो-दो दिल्ली और उत्तर प्रदेश से तथा एक-एक कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना और महाराष्ट्र से हैं। जिन अभ्यर्थियों ने सर्वोच्च 'स्कोर' हासिल किया, उनमें राजस्थान के आयुष सिंघल, रजित गुप्ता, सक्षम जिंदल, अर्नव सिंह और ओम प्रकाश बेहरा, दिल्ली के दक्ष और हर्ष झा, उत्तर प्रदेश के श्रेयस लोहिया और सौरव, कर्नाटक के कुशाग्र गुप्ता, महाराष्ट्र के विशाद जैन, गुजरात के शिवेन विकास, आंध्र प्रदेश के साई मनोगना और तेलंगाना की बानी ब्रता माजी शामिल हैं।

एनसीडब्ल्यू ने विवादित टिप्पणी को लेकर रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना और अन्य को तलब किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य द्वारा कॉमेडी शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर मंगलवार को कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्हें 17 फरवरी को पेश होने का आदेश दिया। आयोग ने इलाहाबादिया, समय रैना, अपूर्व मखीजा, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी जैसे कंटेंट क्रिएटर द्वारा की गई अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणियों को गंभीरता से लिया है। एनसीडब्ल्यू ने शो के

निर्माता तुषार पुजारी और सौरभ बोथरा को भी नोटिस भेजा है। एनसीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा, ''ये टिप्पणियां, जिनसे व्यापक सार्वजनिक आक्रोश उत्पन्न हुआ है, प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान और गरिमा का उल्लंघन करती हैं, विशेषकर ऐसे समाज में जो समानता और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा देता है। इस चिंता के मद्देनजर एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर के निर्देश पर 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर कंटेंट क्रिएटर द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणी पर चर्चा करने के लिए सुनवाई निर्धारित की गई है।'' महिला संगठन ने उनसे आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा है। उन्होंने बयान में कहा कि इस मामले की सुनवाई 17 फरवरी 2025 को दोपहर 12 बजे नयी दिल्ली स्थित एनसीडब्ल्यू कार्यालय में होगी।

मणिपुर: भाजपा विधायकों ने कहा, नये मुख्यमंत्री के बारे में फैसला पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करेगा

इंफाल : जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से दो दिन पहले एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद पैदा हुए नेतृत्व संकट के बीच भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को यहां राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल के साथ करीब आधे घंटे तक बैठक हुई। बैठक के विवरण का पता नहीं चला है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा और पार्टी की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष ए शारदा देवी ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से राजभवन में मुलाकात की। इस बीच, विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि अब तक किसी ने भी सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया है, जिससे भाजपा शासित मणिपुर संवैधानिक संकट की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति ऐसी ही रही तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लग सकता है। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणाभ चौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मणिपुर में विधानसभा बरकरार है...यह निलंबित अवस्था या राष्ट्रपति शासन के अधीन नहीं है। उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार विधानसभा सत्र आयोजित करना अनिवार्य है। जाहिर है, इससे बड़ा संवैधानिक संकट पैदा होगा।'' उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 174 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि इसे छह महीने से आगे बढ़ाया जा सकता है।

मणिपुर सरकार ने जनता से शांति बनाये रखने और गलत सूचनाओं, अफवाहों पर ध्यान नहीं देने का आग्रह किया

मणिपुर सरकार ने नागरिकों से शांति बनाये रखने और अपुष्ट समाचारों, अफवाहों या गलत सूचनाओं पर ध्यान नहीं देने का मंगलवार को आग्रह किया। सरकार ने कहा कि अफवाहों या गलत सूचनाओं से लोगों में दहशत फैल सकती है या राज्य में शांति और सद्भाव का माहौल खराब हो सकता है। यह अपील नौ फरवरी को मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद पैदा हुए नेतृत्व संकट के बीच की गई है। मुख्य सचिव पी. के. सिंह द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ''सरकार के संज्ञान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्व और समूह जानबूझकर गलत सूचना, भड़काऊ सामग्री या मनगढ़ंत विमर्श का इस्तेमाल करके अशांति भड़काने, सद्भाव को बाधित करने और जनता में भय फैलाने का प्रयास कर सकते हैं।'' इसमें कहा गया है, ''इस तरह के कृत्यों का मकसद अराजकता पैदा करना है और जनता को सलाह दी जाती है कि वे इस तरह की गलत सूचना या उकसावे पर ध्यान न दें।''

पत्नी से उसकी सहमति के बगैर किसी भी तरह के यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता: अदालत

बिलासपुर : छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ उसकी सहमति के बगैर किसी भी तरह के यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सोमवार को एक आदेश में यह टिप्पणी की और आरोपी पति को भारतीय दंड संहिता की तीनों धार-ाओं 304, 376 और 377 के तहत लगे सभी आरोपों से बरी कर दिया है तथा उसे तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया। इस मामले में अदालत ने पिछले साल 19 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था और सोमवार (10 फरवरी) को फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार बस्तर (जगदलपुर) के निवासी याचिकाकर्ता पति ने अपनी पत्नी के साथ 11 दिसंबर 2017 की रात को उसकी सहमति के बगैर अप्राकृतिक संबंध बनाए थे। पति पर आरोप

लगाया कि इस कृत्य के कारण पीड़िता को असह्य पीड़ा हुई और बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पति को गिरफ्तार कर लिया। जब मामले की सुनवाई अधीनस्थ अदालत में हुई तब अदालत ने आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन कृत्य) 376 (दुष्कर्म) और 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत पति को दोषी ठहराया और उसे 10 साल कारावास की सजा सुनाई। अदालत के इस फैसले के बाद पति ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की। मामले की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने माना कि अगर पत्नी की आयु 15 वर्ष से कम नहीं है तो पति द्वारा किसी भी यौन संबंध या यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। न्यायालय ने यह भी माना कि इन परिस्थितियों में पत्नी की सहमति स्वमेव महत्वहीन हो जाती है, इसलिए अपीलकर्ता पति के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और 377 के तहत अपराध नहीं बनता। इसी प्रकार आईपीसी की धारा 304 के तहत भी अधीनस्थ अदालत ने कोई विशेष निष्कर्ष दर्ज नहीं किया है। उच्च न्यायालय के फैसले में याचिकाकर्ता पति को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है तथा उसे तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया गया है।

कोहली अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं: क्रिस गेल

नयी दिल्ली : वेस्टइंडीज के पूर्व धुरंधर बल्लेबाज क्रिस गेल का मानना है कि विराट कोहली भले ही खराब फॉर्म से गुजर रहे हों लेकिन वह अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। कोहली पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। इस 36 वर्षीय बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को कटक में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में केवल पांच रन बनाए। लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोहली के साथ खेल चुके गेल भारतीय बल्लेबाज की खराब फॉर्म से परेशान नहीं हैं। गेल ने मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, 'फॉर्म कैसी भी हो वह अब भी दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। विराट कोहली अब भी दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। आंकड़े इस बात का सबूत हैं। हम सभी जानते हैं कि उन्होंने सभी तरह के प्रारूप में कितने शतक लगाए हैं।' उन्होंने कहा, 'हम सभी क्रिकेटर इस तरह के दौर से गुजरते रहते हैं। मैं जानता हूं कि वह अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं लेकिन ऐसा होता रहता है। उन्हें खुद पर भरोसा रखकर वापसी करनी होगी।' गेल से पूछा गया कि क्या कोहली चैंपियंस ट्रॉफी में उनके सर्वाधिक रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ पाएंगे, उन्होंने कहा, 'यह उसके लिए बेहद आसान काम है क्योंकि वह इससे लगभग 200 रन दूर है।

कोहली की फॉर्म पर रहेगी निगाह, क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत

अहमदाबाद : पहले दो मैच में आसान जीत से उत्साह से लबरेज भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी लय बरकरार रखकर क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। इस मैच में हालांकि विराट कोहली पर निगाह रहेगी जिनके पास चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फॉर्म हासिल करने का यह आखिरी मौका होगा। भारत पहले दो मैच चार विकेट के समान अंतर से जीत कर पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर चुका है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम अब उस नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेलने के लिए उतरेगी जहां उसे वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। यह कहने की जरूरत नहीं है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कोहली की फॉर्म को लेकर चिंतित होगी। आठ टीमों के बीच खेले जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में शुरू होगी। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। भारत अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और 23 फरवरी को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की जो भारत के लिए अच्छे संकेत हैं। कोहली अपने इस साथी से प्रेरणा लेकर यहां बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। कोहली पूरी तरह से लय में नहीं दिख रहे हैं लेकिन वह इतनी देर तक क्रीज पर नहीं टिके हैं कि खुद को बड़ी पारी खेलने का मौका दे सकें। कोहली का बल्ला अगर चल जाता है तो यह स्टार बल्लेबाज वनडे क्रिकेट में 14000 रन बनाने वाला तीसरा खिलाड़ी बन सकता है। कोहली को इस मुकाम पर पहुंचने के लिए केवल 89 रन की जरूरत है। भारत ने अभी तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल करने और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी से भारत का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। शमी की सफल वापसी से निश्चित तौर पर भारतीय टीम प्रबंधन को राहत मिली होगी क्योंकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर संदेह बना हुआ है। बुमराह को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद में होने वाले इस वनडे से वापसी करनी थी लेकिन अभी वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में ही हैं। भारत और इंग्लैंड दोनों की टीम ने मंगलवार को अभ्यास नहीं किया था क्योंकि वे तरोताजा होकर तीसरे वनडे में उतरना चाहती हैं। रोहित का कटक में खेले गए मैच में शतक टीम के अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। इनमें विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल भी शामिल हैं जो अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

बांग्लादेश की शोहेली अख्तर भ्रष्टाचार के आरोपों में प्रतिबंधित होने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी

दुबई : बांग्लादेश की शोहेली अख्तर मंगलवार को भ्रष्टाचार के आरोपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा प्रतिबंधित होने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्हें 2023 टी20 विश्व कप के दौरान मैच फिक्स करने का प्रयास करने का दोषी पाया गया। छत्तीस वर्षीय शोहेली पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया। ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने वाली शोहेली ने बांग्लादेश के लिए दो वनडे और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में टूर्नामेंट के दौरान आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के पांच प्रावधानों का उल्लंघन करने की बात स्वीकार की। ये आरोप महिला टी20 विश्व कप के मैचों के दौरान किए गए भ्रष्ट संपर्कों से संबंधित थे। हालांकि वह उस टूर्नामेंट के लिए बांग्लादेश की टीम का हिस्सा नहीं थीं। शोहेली आखिरी बार 2022 में बांग्लादेश के लिए खेली थी। शोहेली ने संहिता के नियम 2.1.1, 2.1.3, 2.1.4, 2.4.4 और 2.4.7 के उल्लंघन के आरोपों और 10 फरवरी 2025 से शुरू होने वाले पांच साल के प्रतिबंध को स्वीकार किया। एसीयू (भ्रष्टाचार रोधी इकाई) की जांच 14 फरवरी 2023 को शोहेली की फेसबुक मैसेंजर पर एक क्रिकेटर के साथ बातचीत के इर्द-गिर्द केंद्रित थी जिसे आईसीसी द्वारा 'खिलाड़ी ए' के रूप में पहचाना गया है।

अनिमेष कुजूर और ज्योति याराजी को स्वर्ण, पैदल चाल में 15 प्रतिस्पर्धियों का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

देहरादून : उभरते हुए फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर और बाधा दौड़ की स्टार खिलाड़ी ज्योति याराजी ने मंगलवार को यहां पुरुषों और महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा जीतकर राष्ट्रीय खेलों में क्रमशः तीसरा और दूसरा स्वर्ण पदक जीता। मंगलवार को ही 15 पैदल चाल खिलाड़ियों ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। इससे पहले 100 मीटर और चार गुणा 100 मीटर का खिताब जीतने वाले ओडिशा के 21 वर्षीय कुजूर ने 20.58 सेकेंड के समय के साथ 200 मीटर में भी स्वर्ण पदक जीता। उनका यह समय गुजरात में 2022 में असम के अमलान बोरगोहेन के 20.55 सेकेंड के राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड से थोड़ा अधिक था। तमिलनाडु के रागुल कुमार जी (21.06 सेकेंड) और नितिन बी (21.07 सेकेंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।

पाकिस्तान ने चैंपियन्स ट्रॉफी टीम में नहीं किया कोई बदलाव

कराची : पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी गई अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। चयनकर्ताओं ने कुछ खिलाड़ियों को शामिल करने को लेकर व्यापक आलोचना के बाद टीम की समीक्षा की। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी और चयनकर्ताओं ने बल्लेबाज खुशदिल शाह और ऑलराउंडर फहीम अशरफ के चयन की आलोचना के बाद 15 सदस्यीय टीम की समीक्षा की। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि अंतिम समय में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा, भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तकनीकी समिति द्वारा बदलाव करने की समय सीमा मंगलवार को समाप्त हो रही है। सूत्र ने कहा, 'वही 15 खिलाड़ी आगामी (चैंपियंस ट्रॉफी) टूर्नामेंट में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगे और अगर किसी खिलाड़ी को चोट लगती है तो आईसीसी के टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार विकल्प चुना जाएगा।' पाकिस्तान की चैंपियन्स ट्रॉफी टीम की कुछ पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने एक से अधिक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज नहीं रखने और सिर्फ एक विशेषज्ञ स्पिनर अबरार अहमद को चुनने के लिए कड़ी आलोचना की थी। पाकिस्तान की चैंपियन्स ट्रॉफी टीम: मुहम्मद रिजवान (कप्तान) बाबर आजम, फखर जमां, सऊद शकील, कामरान गुलाम, तैयब ताहिर, सलमान अली आगा, खुशदिल शाह, फहीम अशरफ, अबरार अहमद, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, मुहम्मद हसनैन और हारिस राउफ।

पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नवीनीकृत राष्ट्रीय स्टेडियम का उद्घाटन किया

कराची : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को नवीनीकृत राष्ट्रीय स्टेडियम का उद्घाटन किया जो देश के उन तीन स्थलों में से एक है जो चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। इस अवसर पर बोर्ड ने परियोजना को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले 700 श्रमिकों को पुरस्कृत किया। यह स्टेडियम 19 फरवरी को न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी के उद्घाटन मैच की मेजबानी करेगा। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इस दौरान मजदूरों, तकनीशियनों, इंजीनियरों सहित सभी श्रमिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी दृढ़ता के बिना समय पर काम पूरा करना संभव नहीं होता। यह स्टेडियम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच और 14 फरवरी को फाइनल की मेजबानी भी करेगा।

रहाणे के शतक और डायस के पांच विकेट से मुंबई रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

कोलकाता : कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शानदार शतक जमाया और तेज गेंदबाज रॉयस्टन डायस ने पांच विकेट हासिल किए जिसकी मदद से गत चैंपियन मुंबई ने मंगलवार को यहां हरियाणा को 152 रन से हराकर शान के साथ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में प्रवेश किया। रहाणे ने चौथे दिन सुबह अपनी पारी 88 रन से आगे बढ़ाई तथा जल्द ही अपने प्रथम श्रेणी करियर का 41वां शतक पूरा किया। उन्होंने 180 गेंद का सामना कर 108 रन बनाए जिसमें 13 चौके शामिल हैं। मुंबई ने उनकी इस शानदार पारी की बदौलत अपनी दूसरी पारी में 339 रन बनाकर हरियाणा के सामने 354 रन का लक्ष्य रखा । हरियाणा की टीम किसी भी समय लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी। उसकी टीम केवल 201 रन बनाकर आउट हो गई। मुंबई की तरफ से डायस ने 39 रन देकर पांच विकेट जबकि शार्दुल ठाकुर ने 26 रन देकर तीन विकेट लिए। हरियाणा के केवल चार बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज लक्ष्य दलाल (64) और सुमित कुमार (62) भी शामिल थे जिन्होंने अर्धशतक बनाए। मुंबई ने अपनी पहली पारी में 315 रन बनाकर हरियाणा को 301 रन पर आउट करके 14 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी। मुंबई ने सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 278 रन से आगे बढाई। रहाणे ने सुमित कुमार और अंशुल कंबोज पर चौके लगाकर अपना स्कोर 99 रन पर पहुंचाया और फिर एक रन लेकर इस सत्र का अपना पहला शतक पूरा किया।

टेस्ट क्रिकेट अब भी मेरे लिए सर्वोच्च है, वापसी की भूख बरकरार है: रहाणे

कोलकाता : भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने मंगलवार को टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपने प्यार को दोहराते हुए कहा कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की उनकी भूख बरकरार है। भारत के लिए पिछली बार जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान टेस्ट खेलने वाले 36 वर्षीय रहाणे मौजूदा सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। हरियाणा पर जीत के साथ रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मुंबई के प्रवेश के बाद रहाणे ने कहा, 'मैं अब अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। मुश्ताक अली बहुत अच्छा रहा। मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश हूं।'

समाज्ञा व्यापार

न्यूज ब्रीफ

वोडाफोन आइडिया का तीसरी तिमाही का घाटा कम होकर 6,609.3 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली : दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घाटा कम होकर 6,609.3 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 11,117.3 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत अधिक है। एकीकृत आधार पर तिमाही के दौरान कंपनी का घाटा 6,609.3 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,985.9 करोड़ रुपये था। कंपनी की प्रति ग्राहक आय (एआरपीयू) चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 173 रुपये रही, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 166 रुपये थी।

अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत के तेल व्यापार पर कोई असर नहीं पड़ेगा: रूसी मंत्री

नयी दिल्ली : रूस के प्रथम उप-ऊर्जा मंत्री पावेल सोरोकिन ने कहा है कि रूस पर अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों का भारत के साथ रूस के तेल व्यापार पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने इन प्रतिबंधों को 'गैरकानूनी' बताया। पिछले महीने अमेरिका ने रूस के ऊर्जा व्यापार के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए थे। इन प्रतिबंधों में रूसी तेल उत्पादक गैजप्रोम नेफ्ट और सर्गुटनेफ्टेगास को लक्ष्य बनाया गया था और साथ ही रूसी तेल ले जाने वाले 183 जहाजों पर प्रतिबंध लगाया गया था। इन प्रतिबंधों का उद्देश्य रूसी ऊर्जा निर्यात को धीमा करना तथा यूक्रेन में युद्ध के वित्त-पोषण के लिए मॉस्को के संसाधनों को सीमित करना था। सोरोकिन ने यहां भारत ऊर्जा सप्ताह के अवसर पर कहा कि रूस का भारत के साथ संबंध मुख्य रूप से आर्थिक लाभ पर आधारित है, यानी यह एक व्यावसायिक और व्यावहारिक संबंध है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यह आधार रहेगा।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा: सीतारमण

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5.2 प्रतिशत की कम वृद्धि दर की स्थिति से तेजी से पटरी पर लौट रही है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करेगी कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहे। वित्त मंत्री ने लोकसभा में 2025-26 के बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि बजट में राजकोष के मोर्चे पर सूझबूझ के साथ कदम उठाने के साथ लोगों के हाथों में पैसा पहुंचाने के उपाय किये गये हैं। राजकोषीय सूझबूझ का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2025-26 में 99 प्रतिशत कर्ज का उपयोग पूंजीगत व्यय में किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुद्रास्फीति प्रबंधन इस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और खुदरा महंगाई दो से छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे के भीतर है। विशेषकर खाद्य वस्तुओं की महंगाई का रुख कम होता दिख रहा है। सीतारमण ने जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि के बारे में कहा कि 2024-25 से पहले के तीन वर्षों में, देश की वृद्धि दर औसतन लगभग आठ प्रतिशत थी। देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो चार साल में सबसे कम है। वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में अगले वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर 6.3 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। सीतारमण ने कहा कि 12 में से केवल दो तिमाहियों में, देश की वृद्धि दर 5.4 तक या उससे नीचे रही। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में जीडीपी वृद्धि दर घटकर सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई। मंत्री ने कहा, 'मजबूत आर्थिक बुनियाद के कारण, चीजें तेजी से पटरी आ रही हैं और हम ऐसे कदम उठाएंगे जो आगे चलकर हमारी अर्थव्यवस्था को पिछले कुछ वर्षों की तरह सबसे तेजी से बढ़ने में मदद करेंगे। हम सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बने रहेंगे।' सीतारमण ने कहा कि गांवों में अच्छी मांग के कारण चालू वित्त वर्ष में निजी अंतिम उपभोग व्यय 7.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि निजी अंतिम उपभोग व्यय बाजार मूल्य पर जीडीपी का 61.8 प्रतिशत होने का अनुमान है, जो 2002-03 के बाद से सबसे अधिक है। सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये है, जो जीडीपी का 4.3 प्रतिशत है।

भारत में तेल, गैस ब्लॉक के लिए बोली का सबसे बड़ा दौर शुरू, 25 ब्लॉक की पेशकश

नयी दिल्ली : भारत ने तेल एवं गैस के लिए बोली के अपने सबसे बड़े दौर की मंगलवार को शुरुआत की। इसमें 1.91 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 25 ब्लॉक की पेशकश की गई। इनमें से अधिकतर ब्लॉक अपतटीय क्षेत्र में हैं। इसके जरिये सरकार का मकसद आयात में कटौती और ऊर्जा सुरक्षा में मदद के लिए घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) में 'ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी' (ओएएलपी) के तहत बोली के 10वें दौर की शुरुआत की। ओएएलपी के 10वें बोली दौर में 13 तलछटी घाटियों में 1,91,986 वर्ग किलोमीटर में फैले 25 ब्लॉक शामिल होंगे। इनमें से 13 ब्लॉक अपतटीय क्षेत्र में हैं। बोली के पिछले नौ दौर में 3.78 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की पेशकश की गई थी। ओएएलपी का नौवा बोली दौर वर्तमान बोली दौर से पहले सबसे बड़ा था। ओएएलपी के 10वें बोली दौर में तेल व गैस की खोज और उत्पादन के लिए 1.36 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले 28 ब्लॉक या क्षेत्र पेश किए गए हैं। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) के अनुसार, सितंबर में ओएएलपी के बोली के नौवें दौर में चार बोलीदाता शामिल हुए, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र की तेल व प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लिमिटेड तथा निजी क्षेत्र की वेदांता लिमिटेड शामिल थीं। इनमें से अधिकतर ब्लॉक के लिए केवल दो बोलियां प्राप्त हुईं थी। इसमें पहली बार रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड-बीपी पीएलसी ने गुजरात अपतटीय क्षेत्र में एक ब्लॉक के लिए ओएनजीसी के साथ मिलकर बोली लगाई थी। सरकार ने ओएएलपी के 10वें बोली दौर के सफल बोलीदाताओं के नाम की घोषणा अभी नहीं की है। सरकार ने भारत के 'अपस्ट्रीम' क्षेत्र को विकसित करने के लिए तेल एवं गैस कंपनियों को आकर्षित करने के लिए 2017 में ओएएलपी की शुरुआत की थी। ओएएलपी कम रॉयल्टी दरों की पेशकश के अलावा राजस्व-साझाकरण मॉडल के साथ विपणन व मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता की गारंटी देता है।

महिंद्रा समूह की कर्नाटक में 40,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना : आनंद महिंद्रा

बेंगलुरु : महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने मंगलवार को कहा कि समूह अगले कुछ वर्षों में कर्नाटक में करीब 40,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रहा है। इन्वेस्ट कर्नाटक-2025 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि महिंद्रा समूह को कर्नाटक में नवीकरणीय ऊर्जा, एयरोस्पेस, आतिथ्य और रियल एस्टेट जैसे दीर्घकालिक व्यवसायों में निवेश करने के लिए तैयार है। आनंद महिंद्रा ने कहा, 'मुझे आज यहां यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि महिंद्रा समूह आगामी वर्षों में कर्नाटक में लगभग 40,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है।' उन्होंने कहा कि कर्नाटक समूह के नवीकरणीय ऊर्जा खंड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महिंद्रा सस्टेन अगले पांच वर्षों में 35,000 करोड़ रुपये का निवेश करना चाहती है। इस निवेश से पांच गीगावट से ज्यादा सौर और हाइब्रिड परियोजनाओं का विकास किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप 6,000 से 8,000 नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत में इंस्टाग्राम के किशोर उपयोगकर्ताओं पर अब मां-बाप रख सकेंगे नजर: मेटा

नयी दिल्ली : फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली कंपनी मेटा ने मंगलवार को 'इंस्टाग्राम टीन अकाउंट्स' का भारत में विस्तार करने की घोषणा की। इसमें अवांछित बातचीत सीमित करने और गोपनीयता सेटिंग बढ़ाने के साथ मां-बाप की अधिक निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। वीडियो शेयरिंग मंच इंस्टाग्राम के किशोर उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और आयु प्रतिबंधों के अनुरूप परिवेश देने के लिए मेटा उम्र की पुष्टि करने वाले तरीकों को भी चाकचौबंद कर रही है।

अमेरिकी शुल्क चिंता के बीच सेंसेक्स ने लगाया 1,000 अंक से अधिक का गोता

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक का गोता लगा गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी और अमेरिका के नये सिरे से शुल्क लगाने को लेकर व्यापार युद्ध की आशंका से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,018.20 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ दो सप्ताह के निचले स्तर 76,293.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,281.21 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 309.80 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,071.80 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। अमेरिका के सभी इस्पात और एल्युमीनियम आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क की पुष्टि से रियल्टी, औद्योगिक, सोच-विचार कर खर्च किये जाने से जुड़े उपभोक्ता सामान और पूंजीगत सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे। यूरोपीय संघ के नेताओं ने भी अमेरिकी शुल्क के जवाब में कदम उठाने का संकल्प लिया है। इससे व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ी है। सेंसेक्स के तीस शेयरों में जोमैटो पांच प्रतिशत से अधिक नीचे आया। इसके अलावा टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। सेंसेक्स में शामिल तीस शेयरों में से केवल भारती एयरटेल का शेयर लाभ में रहा। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 2,290.21 अंक यानी 2.91 प्रतिशत नीचे आ चुका है, जबकि एनएसई निफ्टी में 667.45 अंक यानी 2.81 प्रतिशत की गिरावट आई है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 2,463.72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिकी व्यापार नीतियों और शुल्क दरों को लेकर जारी अनिश्चितता, घरेलू आर्थिक वृद्धि संबंधी चिंताओं और एफआईआई की लगातार बिकवाली के कारण बाजार धारणा कमजोर हो रही है। मांग संबंधी चिंताओं और ऊंचे मूल्यांकन के कारण मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई।' छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 3.40 प्रतिशत नीचे आया जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित मिडकैप 2.88 प्रतिशत के नुकसान में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 3,478 शेयरों में गिरावट रही जबकि 525 शेयर लाभ में रहे।

अदाणी डिफेंस, डीआरडीओ ने पेश की ड्रोन के खतरे से निपटने वाली रक्षा प्रणाली

बेंगलुरु : अदाणी समूह की रक्षा इकाई अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने डीआरडीओ के साथ मिलकर मंगलवार को 'एयरो इंडिया' प्रदर्शनी में भारत की वाहनों पर लगाई जाने वाली ड्रोन-रोधी प्रणाली को पेश किया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के महानिदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रणाली) डॉ बी के दास ने यहां चल रही रक्षा प्रदर्शनी के दौरान इस प्रणाली को रक्षा विशेषज्ञों और उद्योग भागीदारों की उपस्थिति में पेश किया। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने बयान में कहा कि यह अत्याधुनिक प्रणाली उभरते हवाई खतरों के खिलाफ भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूती देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। आधुनिक युद्ध में टोही और आक्रामक अभियानों दोनों के लिए ड्रोन के बढ़ते उपयोग के साथ, एक मजबूत ड्रोन-रोधी प्रणाली की जरूरत बढ़ गई है। बयान के मुताबिक, वाहन पर लगने वाली ड्रोन-रोधी प्रणाली लंबी दूरी की सुरक्षा, चपलता और सटीकता सुनिश्चित करती है, जो इसे आधुनिक सैन्यबलों के लिए एक दमदार प्रणाली बनाता है। यह स्वचालित पहचान, वर्गीकरण और ड्रोन को बेअसर करने सहित उन्नत संवेदी क्षमताओं के जरिये निर्बाध सुरक्षा प्रदान करती है। कंपनी ने कहा कि एक वाहन पर लगी यह प्रणाली अत्यधिक सचल, चुस्त, विश्वसनीय और आत्मनिर्भर ड्रोन-रोधी समाधान मुहैया कराती है। इस ड्रोन-रोधी प्रणाली में ड्रोन को सटीकता से मार गिराने के लिए एक उच्च-क्षमता वाली लेजर प्रणाली, हवाई खतरे से निपटने के लिए 7.62 मिमी की बंदूक और 10 किलोमीटर की दूरी तक वास्तविक समय में निशाना ढूंढने, ट्रैकिंग और उसे निष्क्रिय करने के लिए उन्नत रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सेंसर और जैमर लगे हुए हैं।

वर्ष 9, पूर्णांक 4147 अंक 297, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in